कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने पर रोक के खिलाफ मुस्लिम छात्राओं की याचिका खारिज कर दी है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 93 दिनांक: 16-03-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

ह देश में बुधवार से 12 से 14 साल आयु वर्ग के बच्चों का कोरोना टीकाकरण शुरू होगा। वहीं 60 साल से ज्यादा उम्र के लोग अब सतर्कता डोज भी लगवा सकते हैं। देश में करीब 7.11 करोड़ बच्चों का टीकाकरण होना है।

स्कूल-कॉलेजों में हिजाब की इजाजत नहीं : कर्नाटक हाईकोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने पर रोक के खिलाफ मुस्लिम छात्राओं की याचिका खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने कहा है कि हिजाब पहनना इस्लाम में अनिवार्य नहीं है। मुस्लिम नेता इस फैसले से निराश नजर आ रहे हैं।मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल और कॉलेजों में हिजाब पहनने पर अपना फैसला सुना दिया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि हिजाब इस्लाम के अनिवार्य धार्मिक व्यवहार का हिस्सा नहीं है और इस तरह संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित नहीं है। साथ ही हाईकोर्ट ने कहा छात्र स्कूल यूनिफॉर्म पहनने से मना नहीं कर सकते हैं और स्कूल यूनिफॉर्म पहनने का नियम वाजिब पाबंदी है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सरकार के आदेश को चुनौती का कोई आधार नहीं है। स्कूल और कॉलेजों में हिजाब पर बैन का मामला पहले हाईकोर्ट की सिंगल बेंच सुन रही थी, जिसके बाद मामले को पूर्ण बेंच को भेज दिया गया था। हाईकोर्ट की पूर्ण बेंच ने कहा राज्य सरकार द्वारा स्कूल यूनिफॉर्म का तय किया जाना अनुच्छेद 25 के तहत छात्रों के अधिकारों पर उचित प्रतिबंध है और इस तरह से 5 फरवरी को कर्नाटक सरकार की ओर से जारी सरकारी आदेश उनके अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने उन याचिकाओं को खारिज कर दिया जिसमें सरकारी पीयू कॉलेज में मुस्लिम छात्राओं को हिजाब के साथ कॉलेज में दाखिल करने से इनकार करने की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। ठहिजाब इस्लाम का हिस्सा नहींठ फैसले के बाद कर्नाटक के महाधिवक्ता प्रभुलिंग नवदगी ने कहा, ठव्यक्तिगत पसंद पर संस्थागत अनुशासन प्राथमिक होता है। यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 25 की व्याख्या में एक बदलाव का प्रतीक हैठ दूसरी ओर कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा, ठमुझे खुशी है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। मैं अदालत में गई लड़कियों से अनुरोध करता हूं कि वे फैसले का पालन करें, शिक्षा किसी भी अन्य चीजों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैठ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पत्रकारों से कहा, ठमैं कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। मेरी सभी से अपील है कि राज्य और देश को आगे बढ़ाएं। सभी को हाईकोर्ट के आदेश को मानकर शांति बनाए रखनी है। छात्रों का मूल कार्य पढ़ाई करना है। इसलिए इन सब को छोड़कर उन्हें पढ़ना चाहिए और एक होना चाहिएठ इससे पहले 25 फरवरी को चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी, जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित और जस्टिस जेएम खाजी ने इस मामले पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आधार लिंक की आखिरी तारीख 31 मार्च, नहीं तो देना होगा 1000 जुर्माना

मुंबई (ईएमएस)। सरकार ने आपके पैन और आधार को लिंक कराने की आ?खिरी तारीख 31 मार्च घोषित की है। यदि आप ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो आपको लेट फाइन के रूप में 1000 रुपए का भुगतान करना होगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आपके पैन और आधार को लिंक करके, सरकार आपके ??वित्तीय लेनदेन का आसानी से पता लगा सकेगी, धोखाधड़ी और टैक्स से बचाव को रोक सकेगी। आपके पैन को आधार कार्ड से लिंक करने की समय सीमा सरकार द्वारा कई बार बढ़ाई जा चुकी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अनुसार स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्डधारकों को आ?खिरी तारीख से पहले 31 मार्च तक अपने आधार कार्ड नंबर को लिंक करना होगा। मौजूदा कानूनों के तहत, अपने पैन को अपने आधार नंबर से जोड़ना अनिवार्य है। इसके अलावा, आयकर रिटर्न दाखिल करते समय अपने आधार नंबर को उद्धृत करना अनिवार्य है और सरकार से पेंशन, छात्रवृत्ति, एलपीजी सब्सिडी, आदि जैसे मौद्रिक लाभ प्राप्त करने के लिए भी यह जरूरी है।

द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्म बननी चाहिए, इससे सच सामने आता हैं : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय दल ने विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परिवारवादी पार्टियां देश को खोखला कर रही हैं। संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म का भी जिक्र किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'द कश्मीर फाइल्स' मूवी को लेकर सवाल उठाने वाले लोगों पर तीखा हमला बोला है। मंगलवार को भाजपा की संसदीय दल की मीटिंग को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सालों से दबाया गया सत्य बाहर आ गया है तो कुछ लोग घबरा गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 5-6 दिनों से हम देख रहे हैं कि वो लोग घबरा गए हैं और फिल्म की आलोचना कर रहे हैं। उस पर कोई चर्चा नहीं कर रहे हैं, लेकिन उसके खिलाफ हो गए हैंहिंज;उन्होंने कहा कि यदि किसी को फिल्म से आपत्ति है तो दूसरी बना लें। लेकिन उसे रोकना कैसी समझदारी है। भाजपा सांसदों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'जो लोग हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी के झंडे लेकर घूमते हैं, वे लोग पिछले 5 से 6 दिनों में पूरी तरह से घबरा गए हैं। इस फिल्म की तथ्यों के आधार पर विवेचना करने की बजाय उसे बदनाम करने में जुटे हैं। इस फिल्म के खिलाफ पूरा ईकोसिस्टम ही खड़ा हो गया है। मेरा विषय फिल्म नहीं है, लेकिन जो सत्य है, उसे सामने लाना देश के हित में है। यदि किसी को इस फिल्म से आपत्ति है तो दूसरी बना लो। उन्हें इस बात से आपत्ति है कि जिस सत्य को इतने सालों से दबाकर रखा है, उसे कैसे बाहर लाया जा रहा है। ऐसे समय में सत्य के लिए खड़े होने वाले लोगों के सामने जिम्मेदारी है कि वे इस ईको सिस्टम का मुकाबला करें। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने इस फिल्म की तारीफ की है। यही नहीं फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और उनकी टीम से पिछले दिनों उन्होंने मुलाकात भी की थी। इसकी तस्वीर भी पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर शेयर की थी। बता दें कि द कश्मीर फाइल्स में घाटी में 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार का चित्रण किया गया है। इस नरसंहार के चलते लाखों कश्मीरी पंडितों को घाटी से पलायन करना पड़ा था। यूपी, गोवा, गुजरात, हरियाणा समेत देश के कई राज्यों में अब तक इस फिल्म को टैक्स फ्री किया जा चुका है। हालांकि एक वर्ग इस फिल्म की आलोचना करते हुए इस एजेंडा मूवी भी बता रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, भाजपा संसदीय दल की बैठक की शुरुआत में महान गायिका लता मंगेशकर के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। लता मंगेशकर का छह फरवरी को निधन हो गया था। इसके अतिरिक्त बैठक में हिजाब विवाद के दौरान मारे गए बजरंग दल के कार्यकर्ता हर्ष को और यूक्रेन में मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा को श्रद्धांजलि दी गई।

सोनिया ने चलाया सुदर्शन चक्र, 5 प्रदेशाध्यक्षों से इस्तीफे मांगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपी, उत्तराखंड सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी के पांचों राज्यों के प्रमुखों से इस्तीफा देने को कहा है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया, ''कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जी ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर की प्रदेश इकाइयों के अध्यक्षों को इस्तीफा देने के लिए कहा है ताकि प्रदेश कांग्रेस कमेटियों का पुनर्गठन किया जा सके।'' कांग्रेस कार्यसमिति की दो दिन पहले हुई बैठक के बाद यह पहला बड़ा फैसला आया है। पांच राज्यों के हटाए गए पार्टी प्रमुखों में पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिद्धू भी शामिल हैं।

पंजाब के विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस को आम आदमी पार्टी (आप) के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा है। चार अन्य राज्यों में उसे बीजेपी के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। पार्टी की सबसे बड़ी फजीहत को सियासी रूप से बेहद अहम राज्य, यूपी में हुई जहां पार्टी केवल दो सीटें ही हासिल कर पाई। यही नहीं, इस राज्य में पार्टी का वोट प्रतिशत भी गिरकर 2।5 फीसदी पर आ गया। गत रविवार को हुई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में विश्वास जताते हुए कहा था कि वह संगठनात्मक चुनाव पूरा होने तक पद पर बने रहें और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाएं।

परिवारवाद की राजनीति बीजेपी में नहीं चलेगी: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीजेपी का संसदीय दल की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगर सांसदों के बच्चों को टिकट ना देना पाप है तो मैंने यह पाप किया है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। पीएम मोदी ने कहा, अगर किसी के टिकट कटे हैं तो यह मेरी जिम्मेदारी है। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से यह भी कहा कि वह इसका आकलन करें कि चुनावों में बीजेपी को कुछ सीटों हार का सामना क्यों करना पड़ा। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से कहा, आप अपने अपने इलाके में हारे हुए 100-100 बूथों का आकलन करें और एक रिपोर्ट तैयार करिए कि हम क्यों हारे ताकि उन हार के कारणों का पता लगाया जा सके और आगे ठीक किया जा सके। पीएम ने पार्टी सांसदों को कड़ा संदेश देते हुए कहा, पार्टी में परिवारवाद नहीं चलेगा। वंशवाद राजनीति के लिए दूसरी पार्टियां हैं। पीएम मोदी ने इस बैठक में यूक्रेन से भारतीयों को निकालने को लेकर भी बात की। साथ ही हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कश्मीर फाइल्स को लेकर कहा कि कश्मीर का सच दबाने की कोशिशें हुईं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनाव में बीजेपी को शानदार जीत मिली है। यूपी में बीजेपी ने इतिहास रचते हुए एक बार फिर बाजी मारी है। सारे मिथकों को ध्वस्त करते हुए योगी आदित्यनाथ एक बार फिर सरकार बनाने जा रहे हैं। यूपी में बीजेपी गठबंधन को 273 सीट मिली हैं। वहीं सपा गठबंधन को 125 सीट मिली हैं। कांग्रेस को 2 और बसपा को 1 सीट मिली है। वहीं उत्तराखंड में बीजेपी ने 47 सीटें जीती हैं। जबकि कांग्रेस को 19 सीटों से संतोष करना पड़ा। गोवा में बीजेपी बहुमत से महज एक सीट पीछे है लेकिन सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार बनाने जा रही है। बीजेपी को 20 सीटें मिली हैं। जबकि कांग्रेस को 11, आप को 2 और अन्य को 7 मणिपुर में बीजेपी ने 32 सीटें जीती हैं। अन्य को 16, एनपीपी को 7 और कांग्रेस को 5 सीटों से ही संतोष करना पड़ा।

मुस्लिम बुद्धिजीवी बोले, अब बंद हो हिजाब पर सियासत,

नई दिल्ली। हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले के बाद मुस्लिम बुद्धिजीवियों और सुधारकों ने कहा कि अब इसे लेकर हो रही सियासत का पटाक्षेप कर देना चाहिए। छात्राओं और स्कूल-कालेज को मोहरा नहीं बनाया जाना चाहिए। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने न्यायालय के फैसले का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि चंद अराजकतत्व और छोटी सोच के नेता अपने निजी फायदे के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने से बाज आएं। जो लोग भारत की फिजा में फूट डालो और गंदी राजनीति करो की तर्ज पर जहर फैला रहे हैं, उन पर कड़ी कार्यवाई होनी चाहिए।

वहीं, झारखंड कांग्रेस के विधायक डा. इरफान अंसारी ने विवादित बयान दिया है। विधानसभा के बजट सत्र में भाग लेने आए विधायक ने कहा कि हाई कोर्ट के फैसले पर वे कुछ नहीं कहना चाहते, पर लगता है कि भाजपा अब कोर्ट भी चला रही है। वहीं, इस मसले पर झारखंड में आरएसएस के प्रांत कार्यवाह संजय कुमार ने कहा कि विद्यालयों में यूनिफार्म की एकरूपता दिखनी चाहिए। सभी बच्चों को नियम मानना चाहिए। कर्नाटक हाई कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है।

हिजाब मामले पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर असदुद्दीन ओवैसी ने असहमति जताई

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिजाब मामले पर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को असदुद्दीन ओवैसी ने संविधान की प्रस्तावना में दिए गए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के विरुद्ध बताया। ओवैसी ने हिजाब पहनने के अधिकार को न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया। उन्होंने कहा कि हिजाब पहनने से किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। ये लड़कियां वास्तव में शिक्षा पाना चाहती हैं लेकिन इससे उन्हें बेदखल किया जा रहा। ओवैसी ने कहा कि मैं कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से असहमत हूं। मैं कहना चाहता हूं कि जो लड़कियों इस मामले में कोर्ट गई थीं वे यूनिफॉर्म के ऊपर हिजाब पहनना चाहती थीं, ऐसा नहीं है कि वे यूनिफॉर्म नहीं पहनना चाहती हैं। कोर्ट ने जो सवाल उठाए हैं वे बेहद हैरान करने वाले हैं।

इस मसले को तालिबान से तुलना किए जाने पर ओवैसी ने कहा कि तालिबान, अफगानिस्तान के लोगों को शिक्षा से महरूम कर रहा है जबकि हमारे यहां ऐसा नहीं है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी हिजाब पर प्रतिबंध को बरकरार रखने के कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को ''बेहद निराशाजनक'' बताया है।महबूबा ने मंगलवार को कहा कि यह केवल धर्म की बात नहीं है, बल्कि चयन की स्वतंत्रता की भी बात है।उन्होंने ट्वीट किया, ''कर्नाटक हाईकोर्ट का हिजाब प्रतिबंध को बरकरार रखने का फैसला अत्यंत निराशाजनक है। एक तरफ हम महिला सशक्तीकरण की बात करते हैं और दूसरी तरफ हम उन्हें एक सरल चयन का अधिकार भी देने से इनकार कर रहे हैं। यह केवल धर्म की बात नहीं है, बल्कि चयन की स्वतंत्रता की भी बात है।''

गौरतलब है कि कर्नाटक हाईकोर्ट की पूर्ण बेंच ने कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने का अनुरोध करने वाली उडुपी में 'गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज' की मुस्लिम छात्राओं के एक वर्ग की याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि स्कूल की वर्दी का नियम एक उचित पाबंदी है और संवैधानिक रूप से स्वीकृत है, जिस पर छात्राएं आपत्ति नहीं उठा सकतीं।

नवाब मलिक मामले में राजनीतिक मुश्किल में शिवसेना

मुंबई, (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्य के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक के अंडरवर्ल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार करने के बाद विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है. जिसके चलते राज्य की महा विकास आघाडी सरकार संभाल रही शिवसेना इस मामले में राजनीतिक मुश्किल में नजर आ रही है. यही वजह है कि फिलहाल शिवसेना हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही है. मालूम हो कि तीन दशक पहले 12 मार्च 1993 को मुंबई में अंडर वर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के कहने पर मुंबई में कई ठिकनों पर बम ब्लास्ट किए गए. आज भी मुंबई इन जख्मों को भूल नहीं सका है. वहीं, शिवसेना ने भी कई सालों तक भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का जमकर विरोध किया, लेकिन आज राजनीतिक मुश्किल में शिवसेना फंसी है कि ना उन्हें निगलते बन रहा है, ना उगलते बन रहा है. शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे जो राज्य के मुख्यमंत्री भी है, उनके मंत्रिमंडल में नवाब मलिक शामिल हैं, जिन पर मुंबई बम धमकों के आरोपियों और दाऊद के रिश्तेदारों से आर्थिक संबंध रखने का आरोप है. उधर नवाब मालिक को मंत्री के पद पर बनाए रखना राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की मजबूरी भी है, जिसके जरिए कांग्रेस के मुस्लिम वोटों को अपनी ओर मोड़ सके. वहीं, शिवसेना भी इस बात को अच्छी तरह जानती है कि सेकुलरवादी पार्टियों के साथ जाने के बाद हिंदुत्ववादी वोट शिवसेना से खिसक सकते हैं, ऐसे में इन वोटों की भरपाई मुस्लिम वोटों से हो सकती है, शायद इसलिए फिलहाल शिवसेना हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही है. नवाब मालिक के समर्थन के बहाने राज्य में मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण परवान चढ़ रहा है. अपनी-अपनी वोट बैंक के साथ मुस्लिम वोटों का बोनस जिसे मिल जाए, वही दल आगामी स्थानीय निकाय के चुनाव में राहत की सांस ले सकेगा, ये साफ है.

12 से 14 साल के बच्चों को आज से लगेगा कोरोना टीका

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कोरोना के मामले तो कम हो गए हैं लेकिन वैक्सीनेसन अभियान अभी भी रफ्तार पकड़ती नजर आ रही है। दरअसल केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड प्रीकॉशन डोन को लेकर एक बेहद अहम जानकारी साझा की है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा आज से देश में 12-14 साल की उम्र के बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू कर दिया जाएगा। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा, ठबच्चे सुरक्षित हैं तो देश सुरक्षित है! मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 12 से 13 और 13 से 14 आयु वर्ग के बच्चों का कोविड टीकाकरण 16 मार्च से शुरू हो रहा है। साथ ही, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी लोग अब एहतियाती खुराक प्राप्त कर सकेंगे। मंडाविया ने 60 साल व्यस्क और बच्चों के परिवारों से टीकाकरण कराने का भी आग्रह किया। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के अनुसार, भारत ने अब तक 15-18 आयु वर्ग के दो करोड़ से अधिक किशोरों का पूरी तरह से वैक्सीनेट कर दिया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार ने वैज्ञानिक निकायों के साथ विचार-विमर्श के बाद 16 मार्च को 12-13 साल और 13-14 साल आयु समूहों यानी साल 2008, 2009 और 2010 में जन्में बच्चे जो पहले से ही 12 वर्ष से अधिक आयु के हैं के लिए कोविड -19 टीकाकरण शुरू करने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार, नए आयु वर्ग के तहत लगभग 7.11 करोड़ बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।

सुमी से छात्रों को निकलाने के लिए खुद पीएम मोदी ने पुतिन और जेलेंस्की से बात की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन के सूमी शहर से भारतीय छात्रों की निकासी बगैर किसी ''विश्वसनीय युद्धविराम'' के संभव नहीं थी, इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसके लिए रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से बात कर रास्ता निकाला। राज्यसभा में यूक्रेन की स्थिति और उसका भारत पर प्रभाव पर एक बयान देकर जयशंकर ने कहा युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीयों को सुरक्षित निकाले जाने के लिए चलाया गया ''ऑपरेशन गंगा'' अब तक चलाए गए चुनौतीपूर्ण निकासी अभियानों में से एक था।

उन्होंने कहा, सूमी में 'क्रेडिबल सीजफायर' की जरूरत थी। प्रधानमंत्री ने खुद हस्तक्षेप करते हुए दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से बात की।'' ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री ने युद्धग्रस्त देश में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से दो से तीन मौकों पर बातचीत की थी। सूमी में फंसे लोगों की निकासी के लिए दोनों देशों की ओर से ''सुरक्षित गलियारा'' बनाया गया था।

खुदरा महंगाई बढ़कर 6.07 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा महंगाई आठ माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। जनवरी में यह 6.01 फीसदी पर थी, जो अब बढ़कर 6.07 फीसदी हो गई है। खुदरा महंगाई की ये दर रिजर्व बैंक द्वारा महंगाई को काबू में रखने की सीमा से ऊपर है, जो छह फीसदी तय की गई थी। अगर महंगाई में बढ़ोतरी का यही रुख जारी रहता है तो रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में बढ़ोतरी का रुख करना पड़ सकता है। आरबीआई ने पिछले दो सालों से रेपो रेट को करीब चार फीसदी के आसपास बनाए रखा है। अगर ब्याज दरें बढ़ती हैं तो होम लोन, पर्सनल लोन और ऑटो लोन की ईएमआई भी बढ़ेगी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक महंगाई भी फरवरी माह में बढ़ी है। यह लगातार 11वां महीना है, जब थोक महंगाई दोहरे अंकों में रही है। थोक महंगाई फरवरी में 13.11 फीसदी रही है, जो जनवरी 2022 में 12.96 फीसदी रही थी। ईंधन और बिजली की महंगाई सबसे ज्यादा 31.50 फीसदी रही है।

यूक्रेन संकट के बीच दुनिया भर में तेल-गैस और धातुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं। इस कारण भारत में भी महंगाई में वृद्धि का रुख देखा जा रहा है। अमेरिका में मुद्रास्फीति करीब 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। फेडरल रिजर्व ने साफ तौर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिया है, ताकि महंगाई को काबू में किया जा सके। भारत में आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कच्चे तेल के बाजार के दामों के हिसाब से पेट्रोल और डीजल के रेट भी बढ़ते हैं तो महंगाई में और इजाफे की संभावना है। इससे खाद्य पदार्थों, फल और सब्जियों के दाम भी बढ़ेंगे, क्योंकि परिवहन लागत बढ़ने या कच्चा माल महंगा होने का इन पर सीधा असर पड़ता है।

खुदरा मूल्य सूचकांक की बात करें तो पिछले साल फरवरी 2021 में खुदरा महंगाई 5.03 फीसदी थी। इससे पहले जून 2021 में रिटेल इन्फ्लेशन 6.26 परसेंट थी। रिजर्व बैंक से सरकार ने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि खुदरा महंगाई 4 फीसदी के आसपास बनाए रखी जाए, यह दो फीसदी तक ऊपर या नीचे हो सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (न्ए) के आंकड़ों के मुताबिक, फूड बास्केट यानी खाद्य पदार्थों की महंगाई 5.89 फीसदी तक पहुंच गई है, जो पिछले माह 5.43 फीसदी रही थी। खाद्य पेय पदार्थों की महंगाई भी 15 महीने के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

फूड बास्केट में अनाज की महंगाई 3.95 फीसदी बढ़ी है। जबकि मांस और मछली 7.45 फीसदी तक बढ़ी है। अंडे भी 4.15 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। सब्जियों की महंगाई 6.13 प्रतिशत रही है। जबकि मसाले भी 6.09 फीसदी तक बढ़ी है। फलों की महंगाई में 2.26 फीसदी का इजाफा हुआ है।

कार्टून कोना

पाकिस्तान ने जर्मनी के सामने उठाया भारतीय मिसाइल गिरने का मुद्दा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की एक मिसाइल गलती से पाकिस्तानी क्षेत्र में गिर गई तबसे यह मिसाइल विवाद रोज नए मोड़ ले रहा है। अब पाकिस्तान ने इसे लेकर जर्मनी से बात की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने सोमवार को जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेरबॉक से फोन पर बातचीत की और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से भारत की तरफ से हुई मिसाइल फायर पर गंभीरता से ध्यान देने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान के एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि शाह महमूद कुरैशी ने अपने जर्मन समकक्ष को घटना की जानकारी दी है।

विदेश कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कुरैशी ने बेरबॉक को सूचित किया कि भारतीय मिसाइल ने 9 मार्च को पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था। कुरैशी ने फोन पर पाकिस्तान के रुख को दोहराते हुए कहा कि इस गंभीर मामले को भारतीय अधिकारियों द्वारा दिए गए सरल स्पष्टीकरण के साथ संबोधित नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने इस घटना की संयुक्त जांच का आह्वान किया है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय से परमाणु देशों के बीच इस गंभीर प्रकृति की घटना पर ध्यान देने का आग्रह किया है। बयान में कहा गया कि कुरैशी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को क्षेत्र में रणनीतिक स्थिरता को बनाए रखने और बढ़ावा देने में अपनी उचित भूमिका निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक मेजर बाबर इफ्तिखार ने 10 मार्च को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 9 मार्च को भारत की तरफ से एक सुपरसोनिक ऑब्जेक्ट ने उनके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि सुपरसोनिक ऑब्जेक्ट ने तीन मिनट 44 सेकेंड में पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर 124 किलोमीटर की दूरी तय की थी।

कर्नाटक- कॉलेज ने हिजाब पर कोर्ट का आदेश पालन करने को कहा, तो परीक्षा छोड़कर निकल गईं छात्राएं

यादगीर (ईएमएस)। हिजाब विवाद को लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के बाद यहां के यादगीर के सुरपुरा तालुक केंबवी गवर्नमेंट पीयू कॉलेज के स्टूडेंट ने कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया है। ज्ञात हो इन स्टूडेंट्स की एग्जाम की तैयारियों को लेकर एक परीक्षा थी। लेकिन जैसे ही उन्होंने हाईकोर्ट का फैसला सुना, उन्होंने विरोध स्वरूप क्लास बहिष्कार करने कर दी। जानकारी के मुताबिक इन स्टूडेंट्स की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होनी थी, इसी बीच स्टूडेंट्स ने विरोध कर दिया।

इन छात्राओं का कहना है कि अब वह अपने माता पिता से बातचीत करेंगी। इसके बाद ही फैसला करेंगी कि क्या उन्हें बिना हिजाब पहने कक्षाओं में आना है। क्लास का बॉयकॉट करने वाली छात्राओं का कहना था कि हम हिजाब पहनकर ही परीक्षा देंगे। अगर वे हमसे हिजाब हटाने के लिए कहते हैं, तो हम परीक्षा नहीं देंगे।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शकुंतला ने कहा कि छात्राओं को कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करने के लिए कहा गया था। उन्होंने इसका पालन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि छात्राएं छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं। प्राचार्य के मुताबिक 35 छात्राओं ने क्लास से बॉयकॉट कर दिया।

बता दें कि हिजाब विवाद पर हाईकोर्ट के फैसले के तुरंत बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि हम हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं। छात्रों के लिए शिक्षा जरूरी है। सभी लोग हाईकोर्ट के आदेश का पालन करें। शांति बनाए रखें।

वहीं हाईकोर्ट के फैसले के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से असहमति जाहिर की है। इतना ही नहीं उन्होंने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड समेत बाकी संगठनों से इसके खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। एआईएमआईएम नेता और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा, 'मैं कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले से सहमत नहीं हूं। फैसले से असहमत होना मेरा हक है। मुझे उम्मीद है कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।'

बिहार विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच तल्खियां बढ़ीं

पटना (ईएमएस)। बिहार में सत्तासीन गठबंधन के बीच सब-कुछ ठीक नहीं चल रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा पर संविधान के ख़िलाफ काम करने का आरोप लगाया था। इसके बाद तल्खी कुछ इस कदर बढ़ी कि मंगलवार को ना नीतीश कुमार सदन में आए और ना ही विधानसभा अध्यक्ष। दोनों अपने चैंबर में बैठे रहे और सदन में विपक्षी दल नीतीश कुमार से माफ़ी की मांग पर हंगामा करते रहे।

दरअसल, सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। लखीसराय मामले पर विधानसभा में आए दिन हो रहे हंगामे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आपत्ति जताई थी और स्पीकर विजय सिन्हा से यहां तक कह दिया कि यह सदन चलाने का तरीका नहीं है। संविधान उठाकर देखिए। जिस तरह से सदन चलाया जा रहा है वह संविधान का उल्लंघन है। जिसके बाद सदन के अंदर विपक्ष नीतीश कुमार के माफ़ी की मांग पर अड़ गया और जमकर हंगामा करना लगा। जिसके चलते सदन को दो बार स्थगित करना पड़ा।

इसके बाद मंगलवार को ना तो अध्यक्ष अपनी कुर्सी पर दिखे ना ही नीतीश कुमार। फ

जन हितैषी

कांग्रेस का मंथन

पांच राज्यों में करारी हार के बाद मंथन के लिए बुलाई गई बैठक में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक फिर पुराने अंदाज में खत्म हो गई। कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस्तीफे की पेशकश की। लगे हाथ प्रियंका गांधी ने भी जिम्मेदारी छोड़ने का ऐलान कर दिया। मगर पहले से तैयार स्क्रिप्ट के मुताबिक सदस्यों ने हार की वजह सभी को बताया और गांधी परिवार को इस्तीफा न देने पर मना लिया। सवाल यह है कि क्या इससे कांग्रेस वापस जीत की राह पर आ जाएगी या देश की जनता पार्टी को फिर से स्वीकार कर लेगी। कतई नहीं। अगर कांग्रेस यह समझ रही है कि वह प्रचार में कमजोर है या जनता के बीच बात नहीं रख पा रही है या फिर प्रत्याशी चयन जिम्मेदार है, तो यह उसकी भूल है। कांग्रेस आज जो भरोसा खो चुकी है, वह कार्यसमिति की बैठक से दूर होने वाली नहीं है। उसे हमेशा याद रखना होगा कि मुकाबला भाजपा से है, जिसके पास कैडर है, जन समर्थन है। इससे भी ज्यादा नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है। हर बार हार की समीक्षा से काम नहीं चलेगा। नेतृत्व को नए सिरे से सोचना होगा। हार की कोई एक वजह नहीं होती। जिस पर मंथन कर लिया और जीतने की गारंटी मिल गई। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम भाजपा और उसकी विचारधारा से लड़ेंगे, अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाएंगे। यह कहते हुए खड़गे भूल गए कि भाजपा की विचारधारा हिंदुत्व है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी तो पिछले कुछ चुनाव में हिंदुत्व को साधने का भरसक प्रयास कर चुके हैं। अगर खड़गे कह रहे हैं कि पार्टी भाजपा की विचारधारा से लड़ेगी तो क्या राहुल और प्रियंका हिंदुत्ववादी होने का दिखावा कर रहे हैं। कांग्रेस आज जो भी कहे, मगर सच तो यह है कि वह अपनी ही विचारधारा को लेकर असमंजस में है। असल में 2019 के लोकसभा चुनाव में बमुश्किल 52 सीटें और महज पांच राज्यों में (तीन राज्यों में कांग्रेस और दो में गठबंधन) सत्ता पा सकने वाली पार्टी बन चुकी कांग्रेस अब गांधी परिवार का स्वामित्व और क्षेत्रीय नेताओं की राजनीति के बीच कहीं उलझ चुकी है। पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में क्षेत्रीय नेतृत्व में जबरदस्त कलह है। मध्य प्रदेश तो कांग्रेस के हाथ से गया ही अपनी पार्टी में टूट की वजह से। पंजाब में कांग्रेस आलाकमान की नई रणनीति ने सत्ता हाथ से गंवा दी। अब वहां भी संगठन में तलवारें खिंच गई हैं। हरियाणा में भले ही सरकार कांग्रेस की ना हो लेकिन खेमेबंदी कम नहीं है, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ खुलकर खेमेबाजी हो रही है जिसकी धुरी में कुमारी शैलजा हैं। राजस्थान में सरकार बनने के पहले दिन से अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कद की लड़ाई रही है, जिसमें अभी तक गहलोत अपने तजुर्बे के दम पर 21 ही साबित हुए हैं, लेकिन पिछड़ों को नेतृत्व देने की राह पर चल पड़ा कांग्रेस आलाकमान आखिर कब तक गुर्जर समाज से आने वाले सचिन पायलट की नाराजगी को दरकिनार करता रहेगा या फिर यहां भी चुनाव से ठीक पहले सत्ता की तस्वीर को बदल दिया जाएगा जो कि पायलट गुट को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। गांधी परिवार का स्वामित्व और क्षेत्रीय नेताओं की राजनीति के बीच की खाई को पाट पाना अब संभव नहीं है, क्योंकि इस फेहरिस्त में वह सब नाम शुमार हैं जिन्होंने गांधी परिवार से आने वाले अपने नेताओं के लिए लाठियां भी खाई हैं और जिंदगी के कई दिन जेलों में भी बिताए हैं, तब गांधी परिवार सत्ता की धुरी था आज एक अदद विपक्ष बनने को मोहताज है। पार्टी लगातार दो लोकसभा और अब पांच राज्यों के चुनाव हारने के बाद संकट से गुजर रही है और ऐसे में नए नेतृत्व पर विचार होना ही चाहिए। कांग्रेस में गांधी परिवार के बाहर पार्टी की कमान संभालने की काबिलियत रखने वाले लोग तो बिलकुल हैं, लेकिन पार्टी ही उनका नेतृत्व स्वीकार करेगी या नहीं इस पर संदेह है।

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

दैनिक पंचांग

16 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	06.08 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	07.39 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.19 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.17 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	13.30 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	15.46 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	17.58 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.09 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.24 ब.से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	00.40 बजे से
		मकर	02.45 बजे से
		कुंभ	04.31 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 75 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 13.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 00.21 बजे रात्र को समाप्त।
योग धृति 02.38 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 13.40 बजे तदनन्तर गर 01.40 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 50'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871189
जूलियन दिन 2459654.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 12

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7227

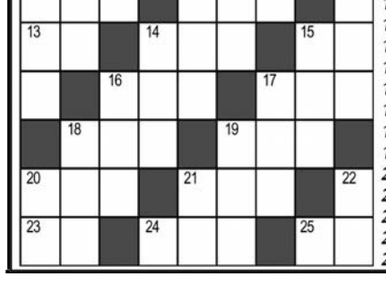

बाएँ से दाएँ

1. जी, इच्छा, चित्त-2
2. तन, बदन, देह-3
4. अग्निदग्ध-2
6. रनिवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्राम-3
9. राजा, सम्राट-3
10. वचन, प्रतिज्ञा-3
11. तरंग, हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सही का विलोम-3
15. सदपुरुष-2
16. पाठ, शिक्षा-3
17. कर्ता, कार्य करने वाला-3
18. इज्जत, मान, सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन, प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन, लेखनी-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. राय, वोट, अभिप्राय-2
2. लाज, लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया, जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध, नाजायज-3
7. निगाह, दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम, मदद-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. लगन, जिद, उत्साह-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान, तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रनिवास (उर्दू-3)
20. जी, इच्छा, चित्त-2
21. समयगति-2
22. देह, बदन-2

शब्द पहेली -7226 का हल

सा	ध	■	प	ना	ह	■	शा	न
त	र	ह	■	क	व	च	■	शा
■	ती	र	थ	■	स	प	ना	■
घ	■	म	का	न	■	ल	च	क
रा	ख	■	न	ज	र	■	ना	म
ना	र	द	■	ला	क	र	■	र
■	ल	ह	र	■	म	वा	ली	■
रा	■	न	क	ल	■	ना	प	ना
ज	रा	■	म	त	ली	■	ना	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कांग्रेस की हार के मायने!

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ईवीएम के माध्यम से 'लोकतंत्र की हत्या किए जाने' का आरोप लगाते हुए कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने हाथों में तख्तियां ले रखीं थीं जिन पर 'ईवीएम से हो रही है लोकतंत्र की हत्या' लिखा हुआ था।हालांकि ईवीएम को लेकर कांग्रेस ने कोई अधिकृत प्रतिक्रिया नही दी है।अलबत्ता उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा ईवीएम भरी गाड़ी मौके पर पकड़े जाने के बाद चुनाव आयोग ने एक एडीएम को निलंबित जरूर किया।

कांग्रेस उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर व गोवा में कांग्रेस आपसी गुटबाजी व सही प्रत्याशियों का चयन न कर पाने के कारण बुरी तरह से हार गई। इस चुनाव में आम जनता याद दिलाने पर भी नोट बन्दी के दुखों को भूल गई।किसान तंगहाली में की गई आत्म हत्याओं को भूल गए,बेरोजगारी चुनावी मुद्दा तक नही बन पाया।महिलाओं को उनका हक,भयमुक्त समाज व भ्र्ष्टाचार मुक्त शासन अब तक क्यो नही हो पाया?ये सारे सवाल मोदी के सम्मोहन में दबकर रह गए है।कांग्रेस आम लोगो को मोदी सरकार व भाजपा शासित राज्यों की नाकामी समझाने में नाकाम रही है। भाजपा में अकेले मोदी, उनकी पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा व गृह मंत्री अमित शाह ही भाजपा के लिए खेवनहार बने । कांग्रेस में राहुल गांधी व उनकी बहन प्रियंका गांधी के कंधों पर पूरे चुनाव प्रचार का भार टिका था।बाकी नेता या तो असरदार नही थे या फिर वे अपना समय नही दे पाए।साथ ही इस चुनाव में जमीनी स्तर के नेताओं को साथ लेकर भी नही चला गया।ज्यादा तर जनसभाओं में हवाई नेता मंचो पर कब्जा जमाए रहे और जिनके प्रयासों से वोट मिलती उन्हें पास तक फटकने नही दिया गया।अधिकांश कार्यकर्ताओ का चुनाव प्रचार में उपयोग ही नही किया गया।आम वोटरों तक पहुंचने में भी कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता नाकाम रहे।ऐसे में उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर व गोवा मे कांग्रेस को विपक्ष में बैठना जरूर अखरेगा क्योंकि कांग्रेस सत्ता में आने का ख्वाब देख रही थी।उत्तराखंड समेत पांचों राज्यो में कांग्रेस को मिली हार को लेकर विचार मंथन जरूरी है।यह भी जरूरी है कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए हाईकमान के दरवाजे खोलने की पहल हो, तभी जमीनी हकीकत से हाईकमान रूबरू हो सकता है।टिकट आवंटन के समय पार्टी के प्रति वफ़ादारों को तरजीह मिले तो काफी कुछ ठीक हो सकता है।इस चुनाव के परिणाम मौजूदा जैसे न होते यदि कांग्रेस ने एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरकर यह चुनाव लड़ा होता।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की अगुवाई में लड़ा गया चुनाव कांग्रेस की दिशा और दशा बदलने में नाकाम साबित हुआ है। 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' के नारे के साथ कांग्रेस ने यह चुनाव सभी 403 सीटों पर अकेले दम पर लड़ा था जिसमें 40 फीसदी सीटे महिला प्रत्याशियों को देने का न सिर्फ ऐलान प्रियंका ने किया बल्कि उतने टिकट भी दिए। इसका मकसद प्रदेश की महिला आबादी को कांग्रेस के प्रति आकर्षित करना था मगर चुनाव परिणाम दिखाते हैं कि प्रियंका का यह प्रयोग बुरी तरह असफल हुआ है। सीटों के नुकसान के साथ पार्टी का वोट प्रतिशत भी गिरा है। 2017 में पार्टी ने सात सीटे जीतने के साथ 6.25 फीसदी वोट हासिल किये थे जबकि मौजूदा चुनाव में उसका वोट प्रतिशत 2.41 पर टिक गया है।प्रियंका ने पिछले करीब तीन साल से संगठनात्मक ढांचा सुधारने के लिये काफी काम किया मगर चुनाव परिणाम उनकी ईमानदार कोशिश को झुठलाते दिखायी पड़े।

उत्तराखंड व पंजाब में कांग्रेस को जनता ने नही बल्कि उनके अपनो ने ही हराया है।चुनाव से छ महीने पहले ही एक दुसरे को मुख्यमंत्री न बनने देने के लिए एक दूसरे की टांग खींचने का खेल शुरू हो गया था।पंजाब में अच्छी खासी चलती हुई कैप्टन अमरेंद्र सरकार को गिराना, अतिमहत्त्वाकांक्षी नवजोत सिंह सिद्धू को संगठन की बागडोर सौंपना जहां घाटे का सौदा रहा ,वही उत्तराखंड में कही हरीश रावत मुख्यमंत्री न बन जाए इसके लिए उनकी राह में कांटे बिछाने की भरपूर कोशिश हुई।यहां तक कि उन्हें अपनी पसंद की रामनगर विधानसभा से बेदखल कर नामांकन के आखिरी समय मे लालकुआं भेज दिया गया।इस आपसी कलह के कारण ही हरीश रावत व रणजीत रावत दोनो की हार हुई।संगठन स्तर पर जनाधार वाले साफ छवि के कार्यकर्ताओं को चुनाव की जिम्मेदारी न सौंपकर सिफारिशों के आधार पर रेवडी की तरह पद व जिम्मेदारी बांटी जाती रही।जो पद या फिर जिम्मेदारी लेने के बाद क्षेत्र में गए ही नही सिर्फ मीडिया की सुर्खियां बनते रहे।भाजपा की सरकार में पांच साल मंत्री रहकर कांग्रेस में अपने विधायक पुत्र के साथ वापस आए यशपाल आर्य के पुत्र को टिकट देने के लिए महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सरिता आर्य का टिकट काटना भी कांग्रेस को भारी पड़ा और वह भाजपा से टिकट लेकर विधायक बन गई।इसी प्रकार कांग्रेस की 40 वर्षो तक सेवा करते रहे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय को सिर्फ इस कारण निष्कासित करना कि वे वनाधिकार मुद्दे पर भाजपा नेता प्रहलाद जोशी से मिले,कतई गलत था।प्रदेश कांग्रेस प्रभारी को उनके खिलाफ कार्यवाही से पहले उनका पक्ष जानना चाहिए था।इसी गलती की वजह से किशोर उपाध्याय को भाजपा में जाना पड़ा जहां से वे टिहरी विधायक बन गए।हरिद्वार जिले में भी कांग्रेस हाईकमान ने धरातल की अनदेखी की है।खानपुर में स्थानीय निष्ठावान कार्यकर्ता को टिकट न देकर प्रदेश प्रभारी के चेहते बहारी सुभाष चौधरी को टिकट देने का ही परिणाम रहा कि वह अपनी जमानत भी नही बचा सके।यह सीट कांग्रेस को मिल सकती थी अगर यहां से उदय सिंह पुंडीर या फिर वीरेंद्र रावत में से किसी एक को टिकट दिया गया होता।लक्सर में स्थानीय मजबूत सैनी समाज के नेताओं के होते हुए भी देहरादून से प्रत्याशी आयातित करना कांग्रेस को भारी पड़ा और कांग्रेस यहां बुरी तरह हार गई।रुड़की में इस बार कांग्रेस की लॉटरी लग सकती थी।भाजपा संगठन के कई बड़े पदाधिकारियों की भाजपा प्रत्याशी प्रदीप बत्रा के प्रति बेरुखी कांग्रेस की जीत का आधार बन सकती थी बशर्ते दबंग के बजाए किसी सहज छवि के निष्ठावान कार्यकर्ता को पार्टी प्रत्याशी बनाया गया होता।हालांकि कांग्रेस प्रत्याशी यशपाल राणा ने भी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा और अगर जो लोग टिकट मांग रहे थे उन सभी ने खुलकर उनका साथ दिया होता तो कांग्रेस रुड़की से जीत सकती थी।मंगलौर में तो काजी निजामुद्दीन को करीब छ सौ के अंतर से ही हार मिली।यहां भी संगठन नदारद ही था,पार्टी ने वर्षो से रिक्त पड़े जिलाध्यक्ष पद पर किसी को बैठाने की कोशिश नही की,परिणाम हार के रूप में हमारे सामने है।इसी तरह से प्रदेश कांग्रेस गणेश गोदियाल का मामूली अंतर से हारने,नवप्रभात की हुई पराजय,मंत्री प्रसाद नैथानी जैसे नेता का विधानसभा न पहुंच पाना अखरता रहेगा।

उत्तराखंड में अभी तक जनता हर 5 साल में सरकार बदल देती थी। यही वजह है कि यहां अभी तक 2002 में राज्य बनने के बाद से चार बार विधानसभा चुनाव हुए हैं. हर बार अलग सरकार बनी है। 2002 में यहां कांग्रेस ने सरकार बनाई थी।वहीं, 2007 में बीजेपी, 2012 में कांग्रेस और 2017 में बीजेपी ने सरकार बनाई। लेकिन अब बीजेपी ने यह ट्रेंड तोड़ दिया है।उत्तराखंड में कुल 70 विधानसभा सीटो में से भाजपा को 47, कांग्रेस को19, बसपा को 2 निर्दलीय को 2 सीटे मिलने से भाजपा स्पष्ट बहुमत में आ गई है।उत्तराखंड की जनता ने कांग्रेस का घोषणा पत्र व किये गए चुनावी वायदे दोनो नकार दिए है।

पंजाब के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी कांग्रेस की रणनीतियों से खासे खफा हैं। मनीष तिवारी ने कहा कि कांग्रेस के इस प्रदर्शन पर राहुल गांधी ही जवाब देंगे। पार्टी की नीतियों से खफा मनीष तिवारी की तल्खी अभी भी बरकरार है। मनीष तिवारी को सांसद होने के बाद भी पंजाब में पार्टी का स्टार प्रचारक तक नहीं बनाया था। पंजाब ही नहीं बल्कि जिन पांच राज्यों में चुनाव हुआ वहां कांग्रेस के लचर प्रदर्शन पर मनीष तिवारी का कहना है कि शाम तक परिणाम आ जाएंगे उसके बाद ही कुछ आगे बात की जा सकेगी। दरअसल कांग्रेस के नाराज नेता लगातार पार्टी की नीति रणनीति और नेतृत्व पर सवाल उठाते रहे हैं। अब जब पांच राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस की अपेक्षा के अनुरूप नहीं आए हैं तो निश्चित तौर पर कांग्रेस के नाराज नेताओं को बड़ा मौका मिला है।

पंजाब समेत अन्य राज्यों के परिणामों का पहले से ही अंदाजा था। जब तक पार्टी में चापलूस और नेतृत्व की आंखों में धूल झोंकने वाले लोगों को बाहर नहीं किया जाता है तब तक पार्टी ऐसे ही बिखराव की ओर बढ़ती रहेगी। पंजाब में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है और उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी की मेहनत बेकार चली गई है। एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पंजाब में कांग्रेस के कई कद्दावर नेताओं को दरकिनार कर जिस तरीके से टिकट वितरण किया गया और पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू का पूर्व मुख्यमंत्री रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच तू-तू मैं-मैं हुई, उससे पार्टी के कार्यकर्ताओं का न सिर्फ मनोबल टूटा बल्कि उनको दूसरे बेहतर विकल्प भी मिले। वो कहते हैं कि चुनाव के दौरान पंजाब से पार्टी के बड़े नेताओं का अलग हो जाना भी पार्टी नेतृत्व की कमजोरी रही।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि नवजोत सिंह सिद्धू ने जिस तरीके से खुले तौर पर अपने मुख्यमंत्री और दूसरे नेताओं को आड़े हाथों लिया उससे भी पब्लिक के बीच में पार्टी के प्रति आस्था नहीं बढ़ी। उक्त नेताओं का कहना है कि सिर्फ पंजाब का ही यह हाल नहीं था बल्कि उत्तराखंड में भी लगातार अंदरूनी राजनीति के चलते कांग्रेस का हश्र बुरा हुआ। उत्तर प्रदेश को लेकर कांग्रेस के नाराज नेताओं का कहना है कि वहां पर तो मैनेजमेंट थी बेहतर नहीं था। कांग्रेस के एक नाराज वरिष्ठ नेता कहते हैं कि कांग्रेस ने जिस एजेंडे के तहत प्रदेश में टिकट बांटे थे उससे अंदाजा लग रहा था कि पार्टी वहां महज खानापूर्ति ही कर रही है।पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का पूरी तरीके से सूपड़ा साफ होता जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस अंदरूनी राजनीति से जूझती जा रही है। यही बड़ी वजह है कि पार्टी मजबूत होने की बजाय अंदर ही अंदर खोखली हो रही है। जिस तरीके से पंजाब में कांग्रेस ने दलित मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर एक बड़े जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश की थी लेकिन आम आदमी पार्टी की सुनामी में सारे जातिगत समीकरण ध्वस्त हो गए। राजनीतिक विश्लेषक जय सिंह कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी लेकिन रुझान से पता चल रहा है कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा। गोवा मणिपुर और उत्तराखंड में भी कांग्रेस का बदहाल रहा है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का कहना है कि पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के बाद अब जो नतीजे सामने आए हैं उससे कांग्रेस पार्टी को निराशा हाथ लगी है। पंजाब में पार्टी को जीत की बड़ी उम्मीद थी लेकिन इस राज्य को गंवाने के बाद अब पार्टी देश के एक और राज्य की सत्ता से बाहर हो गई। हालत यह हो गई कि चरणजीत सिंह चन्नी और पार्टी के बड़े चेहरे नवजोत सिंह सिद्धू खुद चुनाव हार गए।

उत्तर प्रदेश में खुद प्रियंका गांधी ने पार्टी की तरफ से चुनाव प्रबंधन की बागडोर थामी थी लेकिन उनकी भी मेहनत काम नहीं आई। उत्तराखंड, गोवा तथा मणिपुर कही भी पार्टी के लिए उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं रहे। राहुल गांधी ने कहा, 'जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हैं, सीखेंगे और भारत की जनता के हितों के लिए काम करते रहेंगे।' राहुल गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं का शुक्रिया अदा भी किया और कहा कि पार्टी इस हार से सबक जरूर लेगी। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है) (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट / ईएमएस)

आज का इतिहास 16 मार्च

1527 मेवाड के राणा संग्राम सिंह प्रथम ने आगरा के पास खनुआ में बाबर पर हमला किया लेकिन पराजित हो गए.

1751 बंगला भाषा के लेखक अमरीकी राष्ट्रपति जेम्स मेडीसन ने लड़ाई में सैनिक कमांडर के रूप में काम किया.

1787 जर्मन भौतिकशास्त्री जार्ज ओम का जन्म.

1792 स्वीडन नरेश गुस्ताव तृतीय को कैप्टन एंकरस्ट्रोम ने गोली मारी.

1827 अमरीका में अश्वेतों की पहली पत्रिका फ्रीडम जर्नल का प्रकाशन हुआ.

1846 अंग्रेजों ने अमृतसर संधि के तहत कश्मीर को राजा गुलाब सिंह को सौंप दिया.

1917 रूस में ग्रैंड्यूक माइकल ने गद्दी पर बैठने से इंकार कर दिया.

1926 प्राशिम तरल ईंधन रॉकेट का प्रक्षेपण राबर्ट गोडार्ड द्वारा मेसा यूसेटस से किया गया.

1930 स्पेन के जनरल और तानाशाह मिगुएल प्राइमों डी रवेरा का निधन.

1935 जर्मन नेता एडोल्फ हिटलर ने वार्सई संधि को निरस्तीकरण धारा को रद्द कर दिया.

1992 सत्यजीत रे को ऑस्कर अवार्ड.

1997 भारतीय वायुसेना के लिए रूस से खरीदे गए सुखोई विमान की पहली खेप भारत पहुंची.

1999 भारत-पाक बस सेवा योजना के अंतर्गत लाहौर से पहली बस दिल्ली पहुंची.

2007 यूरोपियन स्पेसक्राफ्ट मार्स एक्सप्रेस ने मंगल ग्रह के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ के बड़े भंडार होने की पुष्टि की है.

यूपी में लौटा 'बुलडोजर बाबा' का राज

उत्तर प्रदेश ने जो राजनीतिक संदेश दिया है अपने आप उसके मायने बेहद अलग है। प्रतिपक्ष की लाख कोशिशों के बावजूद भी भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत से सरकार बनाने में कामयाब रहीं। दोबारा सत्ता में वापसी कर भाजपा ने साफ संदेश दे दिया कि है कि उसके मुकाबले विपक्ष कहीं नहीं ठहरता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता बरकरार है। भाजपा जातिवाद की राजनीति को ध्वस्त कर पुनः सत्ता में वापसी की है। उत्तर प्रदेश की राजनीतिक में यह बहुत बड़ी सफलता है। योगी आदिनाथ ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो 37 सालों में दोबारा शपथ ले रहे हैं और सत्ता में वापसी कराएं। कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है। भाजपा ने कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के साथ सपा को यह संदेश देने में सफल हुईं है कि प्रदेश में अब विकास विश्वास की राजनीति ही सफल होगी जातिवाद का कोई स्थान नहीं है।

राज्य में भाजपा की वापसी के पहले समाजवादी और बहुजन समाज पार्टी का सियासी दबदबा था। राममंदिर आंदोलन के बाद भाजपा सत्ता में जबरदस्त वापसी कि थी लेकिन मंडल की राजनीति ने उसे गायब कर दिया। राज्य में 90 के दशक के बाद कांग्रेस कि वापसी नहीं हो पाई। 40 साल तक उत्तर प्रदेश की सत्ता में रहने वाली कांग्रेस हर चुनाव में अपना जनाधार खोती चली गई। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता के लबादे में इतना उलझी कि मंडल-कमंडल की राजनीति में उसका अस्तित्व ही खत्म हो गया। इसके बाद कांग्रेस सत्ता में फिर वापस नहीं हो पाई। उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले जातिवादी राजनीति चरम पर थी। राज्य में राम मंदिर आंदोलन के बाद भाजपा की सत्ता में वापसी हुई। लेकिन इसके बाद यहां सपा-बसपा की जातिवादी राजनीति हावी रहीं।लेकिन 2014 में केंद्र की सत्ता में भाजपा की वापसी के बाद जहां राज्य में कांग्रेस खत्म होती चली गई वहीं उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त वापसी की।

उत्तर प्रदेश में भाजपा को घेरने के लिए सपा -बसपा कांग्रेस ने कई प्रयोग दुहराए लेकिन उसका कोई खास प्रभाव नहीं दिखा। क्योंकि विपक्ष चाह कर भी आंतरिक रुप से टूटा और बिखरा था जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार होने की वजह से विकास पर भी काफी गहरा प्रभाव पड़ा। जिस मुद्दों से कांग्रेस बचती थी भाजपा उसे फ्रंटफुट पर खेला। राम मंदिर, धारा 370, तीन तलाक, एनआरसी और हिंदुत्व जैसे मुद्दों को धार दिया। 'सबका साथ सबका विकास' वाले मंत्र को अपनाकर भाजपा आगे बढ़ी और कामयाब हुईं। उत्तर प्रदेश में भाजपा जितनी मजबूत हुई विपक्ष उतना कमजोर हुआ। वर्तमान समय में बदले सियासी हालात में विपक्ष को गंभीरता से विचार करना होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा के मुकाबले विपक्ष कहीं दिख नहीं रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2022 के आम चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत ने 2024 का भी मार्ग प्रशस्त कर दिया है। क्योंकि विपक्ष के तमाम प्रयासों के बावजूद भी भाजपा को घेरने में वह कामयाब नहीं हो सका है।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी दलित विचारधारा की मुख्य पार्टी मानी जाती रही। मायावती चार-चार बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। लेकिन बहुजन समाज पार्टी इतनी जल्द कमजोर हो जाएगी इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। देश में आज जिस तरह कांग्रेस गुजर रहीं है वहीं हालत बहुजन समाज पार्टी की है। हालांकि आज भी दलित मत उसके साथ है, लेकिन अब उसकी संख्या भी कम हो चली है। सिर्फ दलितों के भरोसे वह चुनाव को नहीं जीत सकती है। 2007 सोशलइंजीनियरिंग के जरिए अगड़े और दलितों को लेकर उन्होंने सरकार बनायी थी। लेकिन इस बार के आम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की जो दुर्गति हुई है वह चिंतनीय। चुनाव परिणाम को देखकर साफ होता है कि दलित विचारधारा की मुख्य पार्टी का अस्तित्व खत्म हो चला है। मायावती अभी तक कोई सियासी उत्तराधिकारी नहीं दे सकी हैं। साल 2017 में 19 सीटों पर जीत हासिल करने वाली बहुजन समाज पार्टी एक सीट पर सिमट गई। उसे करीब 12.9 फ़ीसदी मत मिले।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने जमीनी मेहनत किया लेकिन उनके कार्यकर्ताओं ने जोश में होश खो दिया। अति उत्साह में समाजवादी कार्यकर्ताओं ने जिस तरह सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए उसका खमियाजा उसे भुगतना पड़ा। अखिलेश यादव की तरफ से बहुत अच्छी मेहनत की गई लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा। फिर भी अकेले दम पर उ

मिसाइल मामले में दहशत में पाकिस्तान, एयरफोर्स के डिप्टी चीफ और दो मार्शल को हटाया

इस्लामाबाद (ईएमएस)। नौ मार्च को गलती से भारत की तरफ से मिसाइल पाकिस्तान में दाग दिया गया। इसके बाद से ही पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। हालांकि भारत की तरफ से इस रूटीन मेटेंनेस के दौरान गलती से मिसाइल के फायर होने की बात कही जा रही है। लेकिन पाकिस्तान इतना परेशान हो गया कि उसने अपने एयरफोर्स के डिप्टी चीफ और दो मार्शल को बर्खास्त कर दिया है। पाकिस्तान ने मिसाइल को लेकर वक्त रहते पता न लगाने की वजह से एयरफोर्स के अधिकारियों के खिलाफ ये कार्रवाई की है।

भारत में पाकिस्तान के हाई कमिश्नर रह चुके अब्दुल बासित ने इस भारत की खतरनाक साजिश करार दिया है। उन्होंने भारत की तरफ से गलती से चली मिसाइल को लेकर कहा कि 22 फरवरी 1994 को भारतीय संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। जिसमें कहा गया था कि, उन्हें पीओके वापस लेना है। खाली मिसाइल दागकर पाकिस्तानी फौज की तैयारियों का जायजा,तब नहीं लिया जा रहा था? उन्होंने कहा कि अगर ये सच है, तब बेहद खतरनाक खबर है।

पाकिस्तान ने किया था मिसाइल दागने का दावा

पाकिस्तान की तरफ से दावा किया गया कि हरियाणा के सिरसा से पाकिस्तान के मिंया चन्नू के अंदर मिसाइल दागी गई है। 124 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भारत का मिसाइल पाकिस्तान के मियां चन्नू इलाके में गिरा। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने मीडिया से कहा, नौ मार्च को शाम छह बजकर 43 मिनट पर एक तेज गति से उड़ने वाली वस्तु ने भारतीय क्षेत्र से उड़ान भरी और वह अपना मार्ग भटक कर पाकिस्तान के क्षेत्र में प्रवेश कर गयी तथा गिर गयी।

भारत ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के तहत 2,000 टन गेहूं की चौथी खेप भेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता के तहत पाकिस्तान के भूमि मार्ग से 2,000 टन गेहूं की चौथी खेप भेजी है। भारत ने 2,500 टन गेहूं की पहली खेप 22 फरवरी को पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को भेजी थी और वह 26 फरवरी को अफगान शहर जलालाबाद पहुंची। इस खेप को पचास ट्रकों में ढोया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ने अब तक मानवीय सहायता के तहत अफगानिस्तान को 8,000 टन गेहूं भेजा है। उन्होंने ट्वीट किया, 'हमारी साझेदारी जारी है। 2,000 टन गेहूं की मानवीय सहायता का चौथा काफिला आज अफगानिस्तान भेजा गया। आज तक कुल 8,000 टन गेहूं भेजा गया है।''

भारत ने सात अक्टूबर को पाकिस्तान को एक प्रस्ताव भेजा था जिसमें पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के लोगों को 50 हजार टन गेहूं भेजने के लिए पारगमन की सुविधा की मांग की गई थी और 24 नवंबर को पाकिस्तान से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

मौजूदा नेतृत्व को लोग नकार चुके हैं - पूर्व कांग्रेस नेता अश्विनी कुमार ने कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व कांग्रेस नेता अश्विनी कुमार ने कहा है कि मौजूदा नेतृत्व को लोग नकार चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर बदलाव होना होता तो इतने सालों की हार के बाद बदलाव हो गए होते। न तो अभी तो हुए हैं और मुझे उम्मीद नहीं है कि कोई रचनात्मक बदलाव की गुंजाइश है। इसके कारण है, क्योंकि एक इतिहास है कांग्रेस पार्टी का कि जो परिवार कह दे, वो फाइनल है।

अश्विनी कुमार ने एक समाचार चैनल से कहा कि ये ठीक है कि पिछले कई सालों में सोनिया गांधी ने बहुत कुशल नेतृत्व किया है कांग्रेस पार्टी का और उनसे पहले भी गांधी परिवार के सदस्यों ने कांग्रेस को मजबूती दी है। मगर पिछले कुछ सालों से लगातार लोग कांग्रेस छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता को ये मैसेज जा रहा है कि आप चाहे जिसको मर्जी नकारो मगर हम कुछ लोग उन्हीं को मानेंगे। आप अगर राइट को जाओगे तो कांग्रेस पार्टी लेफ्ट को जाएगी। इस तरह का मैसेज जा रहा है। जहां तक समीक्षा का सवाल है, समीक्षा किसकी करनी है। कारण तो सामने ही है, जगजाहिर है। इसमें कोई समीक्षा की जरूरत नहीं है। सही मायने में कांग्रेस का जो नेतृत्व है, उसको लोग नकार रहे हैं। लगातार नकार रहे हैं। अश्विनी कुमार ने कहा कि जिसको लोग बार बार नकार रहे हैं, उसी को आप अपना महान नेता बता रहे हो तो कहीं न कहीं दिक्कत तो है। गांधी परिवार के बिना भी पार्टी चली है। सीताराम केसरी और नरसिंहा राव के समय भी कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया है। जिन लोगों को बार-बार जनता नकार चुकी है, उन्हें बनाए रखते हैं तो आपका भगवान ही मालिक है। उन्होंने कहा कि ये तर्क गलत है कि गांधी परिवार के बिना कांग्रेस चल नहीं सकती। जान-समझते हुए भी कांग्रेस पार्टी खुद को नहीं सुधारना चाहती तो फिर भगवान उसका मालिक है। देश की जनता अपने नेता चुन ही लेगी। मैं व्यक्तिगत तौर पर किसी परिवार या व्यक्ति पर कुछ नहीं कह रहा हूं। लेकिन मैं फिर से दोहरा रहा हूं कि अब गांधी परिवार न तो कांग्रेस पार्टी के लिए वोट हासिल कर सकता है और न ही कांग्रेसियों को बांधकर रख सकता है।

रूस-चीन और भारत के बनते नए समीकरण से अमेरिका चिंतित

-मॉस्को से दूरी बनाने बना रहा दबाव

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच दो हिस्सों में बंटी दुनिया अपने तरीके से समीकरण बना रही है इसको लेकर अमेरिका को एक नई चिंता सता रही है। वह दक्षिण एशिया में एक नई साझेदारी को लेकर चिंतित है। अमेरिका ने रूस की मदद नहीं करने की भी अपील की है। इसके अलावा सोमवार को उसने एक बयान में कहा कि वह रूस को वित्तीय आर्थिक मदद देने की कोशिश करने वाले देशों पर नजर रखे हुए है। हो सकता है अमेरिका यह संकेत भारत की ओर कर रहा हो क्योंकि हाल ही में भारत और रूस के बीच एक व्यापारिक सौदेबाजी की रिपोर्ट सामने आई थी। ऐसे में सवाल उठता है कि एशिया के 2 बड़े देश रूस रूस को पश्चिमी प्रतिबंधों से उबरने की कोशिश करेंगे या नहीं?

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सोलविन ने रोम में शीर्ष चीनी राजनयिक यांग जिएची से मुलाकात की और उसको संभावित सैन्य और वित्तीय सहायता पर अमेरिका की चिंताओं से अवगत कराया। इन दोनों की मुलाकात अमेरिकी अधिकारियों के उस दावे के बाद हुई है, जिसमें कहा गया था कि रूस चीन से सैन्य और आर्थिक मदद मांगने की कोशिश कर रहा है। हालांकि चीन ने इस खबर को खारिज कर दिया है।

रूस की सहायता के लिए आगें आने वाले देशों को लेकर अमेरिका की चिंताओं में अभी भारत शामिल नहीं है लेकिन हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें यह कहा गया है कि भारत रियायती कीमत पर रूस से कच्चा तेल तथा दूसरी वस्तुएं खरीदने पर विचार कर रहा है। यह विनमयम रुपया- रूबल में किए जाने की खबर है। ऐसे में अमेरिका रूस चीन और भारत की बढ़ती साझेदारी को लेकर चिंतित है।

चीन पर अमेरिका दबाव बना रहा है कि वह रूस को बेलआउट करने का प्रयास न करें। जबकि उसके नाटो पार्टनर्स को इस मामले में काफी छूट मिली हुई है। नाटो के तमाम देश यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करते हुए भी उससे गैस और तेल खरीद कर रहे हैं। भारत और चीन ने सीधे तौर पर रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की निंदा नहीं की है। चीन और रूस ने हाल के सालों में एक दूसरे से घनिष्ठ संबंध विकसित किए हैं। वहीं चीन के साथ तनाव के बीच भारत ने अमेरिका और मॉस्को दोनों के साथ अच्छे संबंधों की कोशिश की है। इसी का नतीजा है कि एक तरफ अमेरिका की चीन को लेकर मांगे सख्त हैं लेकिन भारत पर उसका दबाव कम और मौन है। अमेरिका यह समझता है कि नई दिल्ली लंबे समय से मॉस्को पर सैन्य आपूर्ति को लेकर निर्भर है।

अमेरिकी अधिकारी और विश्लेषक कह रहे हैं कि चीन रूस की सहायता के लिए आगें आता है तो उसे दुनिया के मंचों पर अलग-थलग पड़ने और आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। इसी बीच अमेरिकी अधिकारियों ने रूस और चीन के बीच भेद पैदा करने की कोशिश भी की है। अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार के शब्दों में कहे तो यह बहुत हद तक संभव है कि पुतिन ने चीन से झूठ कहा हो, जैसा कि उन्होंने अन्य यूरोपीय देशों से कहा था कि उनकी यूक्रेन पर हमला करने की कोई योजना नहीं थी।

कई अमेरिकी विश्लेषकों का मानना है कि ताइवान पर अपने दाने को ध्यान में रखते हुए चीन ने रूसी हमले को हरी झंडी दे दी है। एक राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि पुतिन याचक के रूप में बीजिंग गए थे और उसके भविष्य को चीन को गिरवी रखने की कीमत पर युद्ध के लिए चीन का मौन समर्थन प्राप्त किया था। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग भी इस युद्ध में बराबर के साजिशकर्ता हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 709.17 अंक करीब 1.26 फीसदी फिसलकर 55,776.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 208.30 अंक तकरीबन 1.23 फीसदी नीचे आकर 16,663 अंक पर पहुंच गया। इसके साथ ही पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी तेजी भी रुक गयी।

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयर लाभ में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर होने वाली बैठक से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई है। इसके अलावा यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर गैस आयात की पाबंदी के साथ नए वित्तीय और व्यापार प्रतिबंधों से दुनिया के बाजारों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 176.52 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

द कश्मीर फाइल्स को प्रमोट करने से कपिल शर्मा ने किया था मना

-मैने कमेडी शो में गंभीर फिल्म को प्रमोट करना ठीक नहीं समझा:अनुपम खेर

नई दिल्ली(ईएमएस)। फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स 1990 में कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचार को बयां करती है। यह फिल्म कई रिकॉर्ड तोड़ रही है। वहीं इस फिल्म को लेकर कॉमेडी किंग कपिल शर्मा भी विवादों में आ गए। दरअसल द कश्मीर फाइल्स फिल्म के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने कपिल शर्मा पर आरोप लगाया था कि कॉमेडियन ने अपने शो में उनकी फिल्म को प्रमोट करने के लिए इनवाइट नहीं किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कपिल शर्मा को ट्रोल करना शुरू कर दिया। साथ ही कई यूजर्स ने तो कपिल के शो को बॉयकॉट करने की बात भी कही।

कपिल पर लगे आरोपों पर अब अभिनेता अनुपम खेर ने चुप्पी तोड़ी है और सच बताया है। एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने बताया कि उन्हें द कपिल शर्मा शो में द कश्मीर फाइल्स को प्रमोट करने के लिए 2 महीने पहले इनवाइट किया गया था। खेर ने कहा कि फिल्म बहुत सीरियस मुद्दे पर बनी है, इसलिए वह शो का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे और उन्होंने कपिल को मना कर दिया। खेर ने कहा कि मैं ईमानदारी से कहूंगा कि मुझे कपिल का फोन आया था और उन्होंने इस फिल्म को शो में प्रमोट करने को कहा। खेर ने बताया कि लेकिन फिल्म का मुद्दा काफी सीरीयस है और कपिल का शो कॉमेडी का है ऐसे में इस तरह की फिल्म पर फनी शो में बात करना बेहद मुश्किल है। यह 2 महीने पहले की बात है, मुझे बोला गया कि आप आ जाइए लेकिन मैंने इंकार कर दिया। खेर ने कहा कि द कपिल शर्मा शो में द कश्मीर फाइल्स जैसी गंभीर फिल्म को प्रमोट करना ठीक नहीं समझा, इसलिए मैंने मना कर दिया। अनुपम खेर के सच बताने के बाद कपिल शर्मा ने उनको शुक्रिया कहा। कपिल ने अनुपम खेर के इंटरव्यू के वीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा, थैंक्यू पाजी अनुपम खेर मेरे खिलाफ सभी गलत आरोपों को स्पष्ट करने के लिए और उन सब दोस्तों का भी शुक्रिया, जिन्होंने बिना सच जाने मुझे इतनी मोहब्बत दी, खुश रहिए, मुस्कुराते रहिए।

सोना और चांदी हुआ सस्ता, पांच दिन में 3500 रुपए गिरा

मुंबई (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध हल्का होने की आशा के बीच मंगलवार को सोने और चांदी में बिकवाली का दबाव देखा गया है। युद्ध को कम करने के लिए दोनों देशों के अधिकारियों की चर्चा चल रही है और उम्मीद है कि वे जल्द ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। ग्लोबल इक्विटी मार्केट में तेजी आई है और बुलियन पर दबाव देखने को मिला है। यूएस फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय नीति बैठक हो रही है और बाजार की सहमति यह है कि यूएस फेड इस बैठक में ब्याज दरें बढ़ा सकता है। इन्हीं कारणों की वजह से कीमती धातुओं में 0.5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स पर सोना वायदा 52000 रुपए प्रति दस ग्राम से नीचे आ गया है। जबकि चांदी के दाम 69 हजार रुपए प्रति किलोग्राम से नीचे आ गई हैं। बीते पांच दिनों में सोना 3500 रुपए प्रति दस ग्राम से ज्यादा सस्ता हो गया है। सुबह एमसीएक्स पर सोने का वायदा भाव 437 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट के साथ 51867 रुपए प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का वायदा भाव 614 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 68230 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। एक बसाइट के अनुसार 24 कैरेट हाजिर सोने का भाव 10 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट के साथ तेजी के साथ 52460 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है और चांदी का हाजिर भाव 1000 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 69000 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। सुबह कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 16.80 डॉलर प्रति ओंस की गिरावट के साथ 1944 डॉलर प्रति ओंस दर्ज ?किया गया ?था।

शेयर बाजार भी कोरोना से प्रभावित, चीन के सबसे रईस शख्स को लगा 5 अरब डॉलर का झटका

बीजिंग (ईएमएस)। 20 दिन से युद्ध झेल रहे यूक्रेन के बीच चीन में कोरोना का एक बार फिर कहर ढ़ाने लगा है जिसकी वजह से यहां शेयर बाजार पर भी बुरा असर दिख रहा है। चीन की कई अहम कंपनियों के शेयर में सोमवार को बुरी तरह गिरकर बंद हुए। इसका सीधा प्रभाव चीन के सबसे अमीर व्यक्ति झोंग शानशैन की संपत्ति पर भी पड़ा और उसमें भी बड़ी गिरावट देखी गई है।

हांगकांग के शेयर बाजार में झोंग शानशैन की कंपनी नोंगफू स्प्रिंग कंपनी के शेयर भाव में 9.9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। उनकी कंपनी के लिस्ट होने के 18 महीने में ये अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के हिसाब उनकी कुल संपत्ति में 5 अरब डॉलर (करीब 382.5 अरब रुपए) की गिरावट आई है। हालांकि 60.3 अरब डॉलर (करीब 4,590 अरब रुपए) की संपत्ति के साथ वो अब भी चीन के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। नोंगफू स्प्रिंग कंपनी लिमिटेड का शेयर बीते 5 दिन में 14.34 प्रतिशत टूटा है।

झोंग शानशैन के अलावा चीन के कई और अमीर उद्योगपतियों की संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई है। टेसेंट कंपनी मा हुटंग की संपत्ति में 3.33 अरब डॉलर और अलीबाबा के जेक मा की संपत्ति में 99.3 करोड़ डॉलर की कमी दर्ज की गई है।

चीन में कोरोना के हालात एक बार फिर बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। यहां कोरोना के सारे रिकॉर्ड टूटने लगे हैं। पिछले 24 घंटे में यहां कोरोना के 5 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। कोरोना महामारी की शुरुआत से अब तक चीन में कोरोना के एक दिन में इतने मामले नहीं आए हैं। चीन ने जीरो-कोरोना रणनीति को अपनाते हुए कई प्रांतों में लॉकडाउन लगा दिया है और इससे करीब 5 करोड़ लोग अपने घरों में कैद हो गए हैं।

खबरों के मुताबिक, चीन में बीते 24 घंटे में कोरोना के 5,280 नए मामले सामने आए हैं। इससे एक दिन पहले 1,337 केस आए थे। कोरोना की इस लहर में चीन का जिलिन प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए चीन के कई प्रांतों में लॉकडाउन लगा दिया गया है। 5 करोड़ से ज्यादा लोग घरों में कैद कर दिए गए हैं। सबसे ज्यादा 2.4 करोड़ लोग जिलिन प्रांत के हैं। इसके बाद शेनजेन के 1.75 करोड़ लोग और डोंगुआन के 1 करोड़ लोग लॉकडाउन में हैं। कोरोना के वजह से चीन के शेयर बाजारों में गिरावट पहले से जारी थी। सोमवार को इसमें अचानक से तेजी तब आई जब अमेरिका की ओर से बयान आया कि रूस ने बीजिंग से यूक्रेन युद्ध में मदद करने के लिए कहा है।

रूस से सस्ता तेल खरीदने की तैयारी, पुतिन के प्रस्ताव पर विचार कर रही सरकार

मुंबई (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस चारों तरफ से घिर चुका है। कई देश उसके खिलाफ सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगा चुके हैं। अमेरिका ने तो रूस के तेल एवं गैस को भी प्रतिबंधित कर दिया है, जबकि कई यूरोपीय देश ऐसा करने की तैयारी में हैं। बदले हालात में रूस अपने तेल और गैस समेत अन्य कमॉडिटीज के लिए नए बाजार तलाश रहा है। इसका सीधा फायदा भारत को मिलता दिख रहा है। रूस से मिले भारी डिस्काउंट ऑफर के बाद अब भारत उससे सस्ते में क्रूड ऑयल व अन्य कमॉडिटीज खरीदने की तैयारी में है। एक रिपोर्ट में दो भारतीय अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि रूस के डिस्काउंट ऑफर पर विचार किया जा रहा है। रूस से क्रूड ऑयल और कुछ अन्य कमॉडिटीज को डिस्काउंट पर खरीदने का ऑफर मिला है। इसका भुगतान भी रुपया-रूबल ट्रांजेक्शन होगा। एक अधिकारी ने कहा ?कि रूस तेल और अन्य कमॉडिटीज पर भारी ऑफर दे रहा है। हमें उन्हें खरीदने में खुशी होगी। अभी हमारे साथ टैंकर, इंश्योरेंस कवर और ऑयल ब्लेंड को लेकर कुछ इश्यूज हैं। इन्हें सोल्व करते ही हम डिस्काउंट ऑफर एक्सेप्ट करने लगेंगे। रूस के ऊपर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद कई सारे इंटरनेशनल ट्रेडर रूस से तेल या गैस खरीदने से परहेज कर रहे हैं। हालांकि भारतीय अधिकारियों का कहना है कि ये प्रतिबंध भारत को रूस से ईंधन खरीदने से नहीं रोकते हैं। अधिकारी का कहना है कि रुपया-रूबल में व्यापार करने की व्यवस्था तैयार करने पर काम चल रहा है। इस व्यवस्था का इस्तेमाल तेल और अन्य चीजों को खरीदने में किया जाएगा। दोनों अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि रूस कितना डिस्काउंट दे रहा है या डिस्काउंट पर कितना तेल ऑफर किया गया है।

आठ सहकारी बैंकों पर 12.75 लाख का जुर्माना

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए आठ सहकारी बैंकों पर 12.75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने खुलासा मानकों एवं वैधानिक, अन्य प्रतिबंध यूसीबी के तहत निर्देशों का पालन न करने के लिए नबापल्ली सहकारी बैंक लिमिटेड (पश्चिम बंगाल) पर चार लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बघाट शहरी सहकारी बैंक लिमिटेड (हिमाचल प्रदेश) पर तीन लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने मणिपुर महिला सहकारी बैंक लिमिटेड (मणिपुर), यूनाइटेड इंडिया सहकारी बैंक लिमिटेड (उप्र), जिला सहकारी केंद्रीय बैंक (नरसिंहपुर), अमरावती मर्चेंट सहकारी बैंक लिमिटेड (अमरावती), फैज मर्केंटाइल सहकारी बैंक लिमिटेड (नासिक) और नवनिर्माण सहकारी बैंक लिमिटेड (अहमदाबाद) पर भी जुर्माना लगाया गया है।

मिसाइल गिरने के मामले में अमेरिका ने दिया भारत का साथ

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने कहा है कि हाल में भारत की ओर से पाकिस्तान में गिरी मिसाइल के दुर्घटनावश चलने के अलावा अन्य कोई कारण नजर नहीं आता। भारत सरकार ने कहा था कि दो दिन पहले गलती से मिसाइल पाकिस्तान चली गई थी। यह पाकिस्तान में एक स्थान पर गिरी और यह खेदजनक घटना नियमित रख रखाव के दौरान एक तकनीकी खराबी के कारण हुई थी।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, जैसा कि आपने हमारे भारतीय साथियों से भी सुना है,कि यह घटना एक गलती के अलावा और कुछ भी नहीं थी, हमें भी इसके पीछे और कोई कारण नजर नहीं आता। प्राइस ने कहा, आप इस संबंध में अन्य कोई भी सवाल रक्षा मंत्रालय से करें। उन्होंने नौ मार्च को बयान जारी कर स्पष्ट किया था कि वास्तव में उस दिन क्या हुआ था। हम उससे इतर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।

वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संसद में पाकिस्तान में ठअनजाने मेंठ मिसाइल दागे जाने पर बयान दिया। रक्षामंत्री सिंह ने कहा हमारे संचालन, रखरखाव और निरीक्षण मानक संचालन प्रक्रियाओं के एक सेट के बाद आयोजित किए जाते हैं, जिनका मूल्यांकन किया जा रहा है। हमारी शस्त्र प्रणालियों की सुरक्षा और संरक्षा में किसी भी प्रकार की ढिलाई मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। हमारा मिसाइल सिस्टम बेहद भरोसेमंद और सुरक्षित है। हमारे सशस्त्र बल ऐसी प्रणालियों को संभालने में अनुभवी हैं। राजनाथ ने राज्यसभा में कहा कि शुक्र है कि मिसाइल के आकस्मिक प्रक्षेपण के कारण कोई नुकसान नहीं हुआ। घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। राजनाथ ने कहा कि एक मिसाइल दुर्भाग्य से 9 मार्च को गलती से लांच हो गई थी। यह घटना एक नियमित निरीक्षण के दौरान हुई थी। हमें बाद में पता चला कि यह पाकिस्तान में उतर चुकी है।

भारतीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने घटना को गंभीरता से लेकर इसकी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दिए हैं। मंत्रालय ने कहा 9 मार्च 2022 को, नियमित रखरखाव के दौरान, एक तकनीकी खराबी के कारण मिसाइल का आकस्मिक फायरिंग हो गया। भारत सरकार ने एक गंभीर दृष्टिकोण लिया है, एक उच्च स्तरीय कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया है। इसमें कहा गया है, ठयह पता चला है कि मिसाइल पाकिस्तान के एक इलाके में उतरी। हालांकि यह घटना बेहद खेदजनक है, यह भी राहत की बात है कि दुर्घटना के कारण किसी की जान नहीं गई है।

पाकिस्तान में डीजल की किल्लत, पांच दिन का स्टॉक बचा!

इस्लामाबाद (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस संघर्ष के बीच पाकिस्तान में डीजल की किल्लत हो गई है। ऐसी खबर आ रही है कि उसके पास महज पांच दिन के डीजल का स्टॉक बचा है। इस समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कुछ ज्यादा ही चल रही है। इससे सभी को परेशानी हो रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ने से पाकिस्तान पेट्रोलियम उत्पादों की कमी से जूझ रहा है। इस समय उसके पास डीजल का केवल पांच दिनों का भंडार बचा है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी बैंकों ने भी वहां की तेल कंपनियों को उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में रखा है। बैंकों ने इन कंपनियों को और ऋण देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान सरकार ने बीते 16 फरवरी को पेट्रोलियम उत्पादों के दाम 10 से 12 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए थे। पाकिस्तान सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन के अनुसार पेट्रोल की कीमतों में 12.03 रुपए प्रति लीटर और हाई स्पीड डीजल की कीमतों में 9.53 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इसके अलावा लाइट डीजल ऑयल की कीमत में 9.43 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी और मिट्टी के तेल के दाम भी 10.08 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए गए थे। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में नई बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतें 147.82 रुपए प्रति लीटर से बढ़ कर 159.86 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया था। हाई स्पीड डीजल की कीमत भी 144.622 रुपए से बढ़ कर 154.15 रुपए प्रति लीटर हो गई थी।

इसके अलावा लाइट डीजल ऑयल के दाम 114.54 रुपए प्रति लीटर से बढ़ कर 123.97 रुपए, मिट्टी के तेल की कीमत 116.48 रुपए प्रति लीटर से बढ़ कर 126.56 रुपए प्रति लीटर हो गई थी। पेट्रोलियम पदार्थ की कीमतें आसमान में पहुंचने के बाद पाकिस्तान सरकार की भारी आलोचना होने लगी थी। इसके बाद एक मार्च 2022 के पेट्रोल के दाम में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती हुई थी। इसी के साथ बिजली की दरों में भी पांच रुपए प्रति यूनिट कटौती की घोषणा हुई थी। उस समय पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि अगले बजट यानी जून के आखिर तक पेट्रोलियम और बिजली की कीमतों में वृद्धि नहीं की जाएगी।

रूस की मदद करने पर चीन को भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

-अमेरिका ने चीन को दी कड़ी चेतावनी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर दो हिस्सों में बंटी दुनिया में रूस दो तरफ से घिर चुका है। एक तरफ उसे अब तक की जंग के उम्मीद के मुताबिक कामयाबी नहीं मिली। रूस को उम्मीद थी कि जल्द ही वो यूक्रेन पर कब्जा कर लेगा, लेकिन उसकी जल्द वाली उम्मीद पूरी हुई नहीं। दूसरी तरफ पश्चिम देशों की तरफ से लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से वो आर्थिक संकट में फंस गया है। अब तक रूस का आधा सोना और विदेशी मुद्रा भंडार जब्त हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खराब होते हालात से उबरने के लिए रूस अब चीन से मदद की गुहार लगा रहा है। चीन अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रूस पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों को टालने में मदद करने में जुटा है। इसके साथ ही यूक्रेन से युद्ध में चीन उपकरणों के जरिये मदद की भी आशंका जताई गई है। जिसको लेकर अमेरिका ने चीन को सख्त चेतावनी दी है।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने चीनी अफसर को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद करने को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमले के बाद से चीन से सैन्य उपकरण मांगे हैं। जिससे व्हाइट हाउस में चिंता बढ़ गई है कि बीजिंग यूक्रेन को अपने देश की रक्षा करने में मदद करने के दूसरे प्रयासों को कमजोर कर सकता है। अमेरिका के एनएसए जैक सुलिवन ने चीन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने प्रतिबंधों का असर खत्म करने में रूस की किसी भी तरह से मदद की तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने रोम में चीन के अपने समकक्ष यांग जिएची के साथ मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंध तथा यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने बताया कि क्वाड शिखर सम्मेलन के दो हफ्ते बाद और मौजूदा यूक्रेनी संकट के बीच दोनों अधिकारियों के बीच यह मुलाकात हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने उन चिंताओं तथा कुछ कदमों के संभावित प्रभावों एवं परिणामों के बारे में प्रत्यक्ष रूप से बातचीत की। यह पूर्व निर्धारित बैठक रोम में सात घंटे तक चली।

नौ राज्यों ने फ्यूल पर कम नहीं किया टैक्सः पुरी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क कम करने के केंद्र के कदम के बाद नौ राज्यों ने पेट्रोल और डीजल पर वैट कम नहीं किया है। जब हमने देखा कि उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की आवश्यकता है, तो प्रधानमंत्री ने 5 नवंबर, 2021 को दरों में कमी की। लेकिन 9 राज्यों ने ऐसा नहीं किया। कराधान केवल एक पहलू है। हमें खपत के प्वाइंट पर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों पर राज्यसभा में पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि यह अमेरिका, कनाडा और श्रीलंका जैसे देशों में बहुत अधिक है। मेरे पास संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, यूके, फ्रांस, स्पेन, श्रीलंका और भारत के तुलनात्मक आंकड़े हैं। उन सभी देशों में इस अवधि के दौरान पेट्रोल की कीमत क्रमशः 50 प्रतिशत, 55 प्रतिशत, 58 प्रतिशत और 55 प्रतिशत बढ़ी है। भारत में पेट्रोल की कीमत में केवल 5 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। मंत्री ने कहा कि सरकार यूक्रेन संकट और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर देश की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए हर संभव विकल्प तलाश रही है। उन्होंने कहा कि रूसी संघ के उचित स्तर पर बातचीत हुई है और चर्चा चल रही है। मंगलवार 15 मार्चको देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ। यह लगातार 131 वां दिन है, जब पेट्रोल और डी

सदाराम बापू ने अपने भजन-सत्संग से लाखों लोगों को बनाया व्यसन मुक्त: मुख्यमंत्री

- भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में दियोदर में मनाई गई पूज्य संत श्री सदाराम बापू की 115वीं जयंती

अहमदाबाद (ईएमएस) बनासकांठा के श्रद्धेय संत पूज्य सदाराम बापू की 115वीं जयंती मंगलवार को दियोदर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षीय उपस्थिति में मनाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूज्य संत श्री सदाराम बापू ने शिक्षा के विस्तार, व्यसन मुक्ति और हिंसा निवारण के अनेक सेवा कार्य किए हैं। पूज्य संत श्री सदाराम बापू ने उनके भजन व सत्संग के जरिए लाखों लोगों को व्यसन मुक्त बनाया है। बापू का सादा-सरल जीवन ही उनका जीवन संदेश था। उन्होंने कहा कि लोगों की परेशानियों और पीड़ाओं को दूर करते-करते सादा जीवन जीकर वे इस भवसागर को पार कर गए। नशा व्यक्ति और परिवार को बर्बाद कर देता है, उस बात को बेहतर तरीके से समझकर किसी एक जाति के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के विकास के लिए पूज्य बापू ने काम किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि ऐसे संत के जीवन से प्रेरणा लेकर हर कोई अपने जीवन में आगे बढ़े। पटेल ने आगे कहा कि पौधे में ईश्वर की भांति व्यक्ति में भी रणछोड़ का दर्शन कर समाज के विकास के कार्यों की प्रेरणा उन्होंने दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का नारा देकर हमें नई दिशा दी है, तब उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलकर गुजरात को आत्मनिर्भर बनाएं।

शिक्षा राज्य मंत्री कीर्तिसिंह वाघेला ने कहा कि पूज्य संत श्री सदाराम बापा आज भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका उपदेश और आशीर्वाद सदैव हमारे साथ रहेगा। बापा ने भजन और भक्ति के साथ-साथ समाज सुधार का विराट कार्य पूरे उत्तर गुजरात में किया है। उन्होंने अपने जीवनकाल के सात दशक से भी अधिक वर्ष शिक्षा के अभाव के चलते समाज में व्याप्त व्यसन की बुराई को दूर करने में खपा दिए थे।

गुजरात क्षत्रिय ठाकोर सेना के अध्यक्ष अल्पेश ठाकोर ने कहा कि हमारे संत श्री सदाराम बापा से व्यसन मुक्ति अभियान चलाने की प्रेरणा और सभी के कल्याण का शुभाषीश मिलता है। उन्होंने कहा कि, ''बापा के चरणों में प्रार्थना करता हूं कि नशा मुक्ति के अलावा धर्म और भाईचारे की भावना के जरिए सभी समाज एक बनकर रहें।'' ठाकोर ने कहा कि वाव और भाभर क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री ने लगभग 100 करोड़ रुपए की भारी धनराशि के कार्यों को मंजूरी दी है। उन्होंने खेती के लिए अमृत के समान नर्मदा मैया का नीर इस धरा तक पहुंचाने की मंजूरी देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा महामंत्री रजनी पटेल, बनास डेयरी के चेयरमैन शंकर चौधरी, पूर्व मंत्री धर्मेंद्रसिंह जाडेजा, केशाजी चौहान, बनास बैंक के चेयरमैन अणदा पटेल, अग्रणी गुमानसिंह चौहान, नंदाजी ठाकोर, सुरेश शाह, नौकाबेन प्रजापति, पीराजी ठाकोर, दशरथजी ठाकोर सहित ठाकोर समाज के कई अग्रणी, कलक्टर आनंद पटेल, जिला विकास अधिकारी स्वप्निल खरे और बड़ी संख्या में आम लोग उपस्थित थे।

गुजरात में आज से 12 से 14 वर्षीय किशोरों को कोविड वैक्सीनेशन की शुरुआत होगी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरातभर में बुधवार, 16 मार्च से 12 से 14 वर्षीय आयु वर्ग के किशोरों को कोविड वैक्सीनेशन की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल गांधीनगर की बोरिज प्राथमिक स्कूल में कल सुबह 9 बजे राज्यव्यापी वैक्सीनेशन का प्रारंभ कराएंगे। कोविड 19 वैक्सीनेशन के अंतर्गत भारत सरकार की मार्गदर्शिका के मुताबिक राज्य में कल से टीकाकरण की सफलतापूर्वक शुरुआत करने की सभी तैयारियां स्वास्थ्य विभाग ने पूर्ण कर ली हैं। राज्य के शिक्षा विभाग, मातृत एवं बाल कल्याण विभाग और अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से इस टीकाकरण अभियान में उन सभी किशोरों को वैक्सीन लगाई जाएगी जिनकी आयु 12 से 14 साल की है। राज्यभर में 12 से 14 वर्षीय आयु वर्ग के करीब 23 लाख बच्चों को कोविड 19 वैक्सीन के दो डोज इस अभियान के तहत दिए जाएंगे।

अमूल के बाद दक्षिण गुजरात की सुमूल दूध के कीमत में दो रुपए का इजाफा

सूरत (ईएमएस) अमूल के बाद दक्षिण गुजरात की सुमूल डेयरी ने दूध के प्रति लीटर दूध की कीमत में दो रुपए का इजाफा किया है। करीब नौ महीने पहले सुमूल ने दूध की कीमतों में दो रुपए की वृद्धि की थी। सुमूल डेयरी की मूल्य वृद्धि का असर दक्षिण गुजरात के सूरत, तापी के लाखों ग्राहकों पर होगा। सुमूल डेयरी के प्रमुख मानसिंह पटेल का कहना है कि परिवहन समेत अनेक वस्तुओं के भाव बढ़ने से दूध की कीमतें बढ़ाई गई हैं। गौरतलब है कि सुमूल डेयरी ने दिसंबर 2019 में दूध की कीमतें बढ़ाई थी। उसके डेढ साल बाद गत 20 जून 2020 को प्रति लीटर दूध के दाम में दो रुपए का इजाफा किया था। नौ महीने बाद सुमूल डेयरी ने फिर एक बार प्रति लीटर दूध की कीमतों में दो रुपए की वृद्धि कर दी है। कुछ दिन पहले सुमूल डेयरी ने 20 रुपए प्रति किलो फैट की वृद्धि की थी। जिसका दक्षिण गुजरात के 2.50 लाख पशुपालकों को लाभ मिला था। गाय के फैट में प्रति किलो रु. 680 से बढ़ाकर रु. 700 किए गए थे। जबकि भैंस के दूध में 20 रुपए प्रति किलो फैट बढ़ाकर रु. 715 कर दिए थे।

पेपरलीक को लेकर विवाद में रही हेडक्लर्क की २० तारीख को परीक्षा

गत १२ दिसंबर २०२१ को ली गई हेडक्लर्क की परीक्षा पेपरलीक कांड को लेकर विवाद में आई थी

अहमदाबाद, १५ मार्च।

वर्ष २०२१ के वर्ष में पेपरलीक होने की वजह से सबसे ज्यादा विवादास्पद रही गौणसेवा पसंदगी बोर्ड की परीक्षा आगामी २० मार्च को ली जाएगी। हेड क्लर्क की परीक्षा को लेकर कोई गड़बड़ी नहीं हो इसे लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। यह परीक्षा आयोजित हो इसके पहले अहमदाबाद जिला शिक्षा अधिकारी ने जहां यह परीक्षा के केंद्र पर परीक्षा ली जाएगी यह सभी स्कूल आचार्य की बैठक बुलाई है। यह परीक्षा में कोई गड़बड़ी नहीं हो और सभी व्यवस्था के साथ परीक्षा ली जाए इसका आयोजन करने के लिए १६३ से ज्यादा परीक्षा केंद्र के आचार्यो को इकट्ठा करके परीक्षा में कोई त्रुटि नहीं रह जाए इसकी समझ दी जाएगी। गौण सेवा पसंदगी बोर्ड द्वारा आगामी २० मार्च को विभिन्न खाते की ऑफिस में हेड क्लर्क की भर्ती के लिए परीक्षा ली जाने वाली है।

१८२ जगह के लिए २ लाख ४० हजार से ज्यादा उम्मीदवार परीक्षा देंगे। स्कूलों के आचार्य को स्थल संचालक के तौर पर नियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्र में परीक्षा के दिन खून से संबंध रखने वाले उम्मीदवार परीक्षा में नहीं बैठेंगे ऐसे कर्मचारियों की नियुक्ति करने की सूचना दी गई है। इसके अलावा परीक्षा में रहने वाले जरूरी स्टाफ की जानकारी हार्ड कोपी किस अधिकारियों को पहुंचाना इसकी जानकारी दी जाएगी। महत्वपूर्ण है कि, गत १२ दिसंबर २०२१ को ली गई हेड क्लर्क की परीक्षा पेपरलीक कांड को लेकर विवाद में आई थी। यह पेपरलीक कांड के तार साबरकांठा के हिम्मतनगर प्रांतिज तक पहुंच गये और बारबार पेपरलीक की घटनाओं की वजह से सरकार बेकफुट पर आ गई थी और उम्मीदवारों ने भारी हंगामा किया था। भारी विवाद और विरोध के बाद यह परीक्षा रद्द की गई थी। इतना ही नहीं हाल में आसित वोरा का गौण सेवा पसंदगी बोर्ड के चेयरमैन पद से इस्तीफा ले लिया गया था। यह परीक्षा आगामी २० मार्च को ली जाएगी। यह परीक्षा को लेकर प्रशासन और सतर्क हो गया है।

डर है कि कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई गुजरात विधानसभा न बिक जाए : वीरजी ठुम्मर

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चल रहे सत्र में बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायकों ने भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए। धारी से विधायक वीरजी ठुम्मर ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार केवल जनता को सपने दिखा रही है। सरकार पर प्रहार करते हुए वीरजी ठुम्मर ने कहा कि कांग्रेस द्वारा बनाई गई स्कूलों में पढ़कर ही आप आज मंत्री बने हैं। लेकिन अब डर लग रहा है कि कहां कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई गुजरात विधानसभा न बिक जाए। तंज कहते हुए कांग्रेस विधायक ने कहा कि बड़े बड़े दावे करने वाली सरकार ने वास्तव में जनता के लिए कुछ काम किया है? प्राकृतिक कृषि के लिए सरकार ने अब तक एक रुपए का बजट आवंटित नहीं किया। लेकिन 8 साल में कृषि बजट घटा जरूर दिया है। केवल 3.23 प्रतिशत जितनी सामान्य रकम आवंटित कर गुजरात के किसानों के साथ मजाक किया है। आज गुजरात समेत देश के किसान मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा सरकार प्राकृतिक खेती के नाम पर वाह वाही लूट रही है। उन्होंने कहा कि सरकार कर की आय बढ़ी है, लेकिन साथ ही कर्ज भी बढ़ रहा है। 17 प्रतिशत जितना रकम सरकार केवल कर से भुगतान करती है। पंचायत महासम्मेलन और खेलेंगे गुजरात पर 200 करोड़ से ज्यादा का खर्च राज्य सरकार ने किया है। शिक्षा क्षेत्र के मुद्दे पर सरकार को आडे हाथ लेते हुए वीरजी ठुम्मर ने कहा कि सरकार 1.53 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करती है। राज्य में 6000 स्कूलें बंद हो चुकी हैं और शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, इसके बावजूद सरकार वाहवाही लूटने से बाज नहीं आ रही। राज्य में आज 6181 आंगनवाडियां जर्जरित हालत में हैं। संकलित बाल विकासयोजना में खर्च कम बताया जा रहा है। किसानों के लिए बजट घटाया जा रहा है। गुजरात के किसानों को बिजली नहीं मिल रही। कांग्रेस विधायक ने ऐसे कई मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर कड़े प्रहार किए।

गर्भवती महिला की उपचार में लापरवाही

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और दो अस्पतालों को नोटिस भेजा

अर्जी में मांग की गई थी कि गरीब और अशिक्षित महिलाओं को किसी भी स्थिति में उपचार मिलना चाहिए

अहमदाबाद, १५ मार्च।

गुजरात हाईकोर्ट द्वारा गुजरात राज्य प्रशासन को नोटिस भेजा गया। उल्लेखनीय है कि आणंद जिले की एक निजी अस्पताल में एक गरीब महिला पैसा चुकाने के लिए सक्षम नहीं होने की वजह से इसका उपचार नहीं किया गया और एलजी अस्पताल के स्टाफ की लापरवाही की वजह से महिला की कसुवावड हुई थी। यह मामले में की गई जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट द्वारा यह नोटिस भेजी गई थी। उल्लेखनीय है कि निकुंज मेवाडा नाम के नागरिक द्वारा वकील राजन पटेल के माध्यम से यह अर्जी की गई थी। यह जनहित याचिका में मरीज को उपचार उपचार उपलब्ध नहीं कराने के दो मामले बताये गये थे। ११ जनवरी को तारापुर गांव में एक गरीब महिला ने निजी अस्पताल के बाहर बच्चे को जन्म देना पड़ा था। आरोप लगाया गया है कि डॉक्टर रामकुशन मिराणी की नर्सिंग होम में महिला ४२,००० चुकाने में सक्षम नहीं होने की वजह से कथित रूप से इसका उपचार करने का इनकार कर दिया गया था। दूसरी शिकायत यह थी कि, १० फरवरी को अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित एलजी अस्पताल के स्टाफ की कथित लापरवाही की वजह से एक महिला की कसुसावड हो गई थी। अर्जी करने वाले नागरिक ने हाईकोर्ट के समक्ष मांग की थी कि, महिला और बाल विकास मंत्रालय तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा यह मामले में जांच शुरू किया जाए और कानूनी कार्रवाई की जाए।

गुजरात पर आप की नजर

पंजाब पैटर्न से भाजपा-कांग्रेस को टक्कर देने की तैयारी

भारतीय जनता पार्टी से नाराज पाटीदार नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर आप चुनाव मैदान में उतरेगी

अहमदाबाद, १५ मार्च।

पंजाब में शानदार जीत के बाद आम आदमी पार्टी (आप) गुजरात के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकती है। आप को गुजरात में भी पंजाब की तरह मान जैसे नेता की तलाश है। भाजपा से नाराज पाटीदार नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर आप चुनाव मैदान में उतरेगी। गुजरात में पार्टी को मजबूत करने के लिए अरविंद केजरीवाल के साथ पंजाब के मनोनीत मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनकी टीम पूरा ध्यान देगी। दिल्ली के बाद पंजाब की जीत से उत्साहित आप गुजरात में भी चुनाव मैनेजमेंट मॉडल को अपना सकती है। केजरीवाल और भगवंत मान जल्द ही गुजरात में रैलियां और जनसंपर्क करेंगे। बता दें, गुजरात में अब तक भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होता रहा है। आप के चुनावी मैदान में उतरने से सियासी गणित बदल सकता है।

उधर, हार्दिक पटेल बोले- कांग्रेस की कार्यपद्धति में बदलाव की जरूरत पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद गुजरात इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने कहा कि पार्टी को अपनी कार्यपद्धति में बदलाव करने की जरूरत है। हार्दिक पटेल ने कहा कि हमें अब अपनी राजनीति बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में हार के बाद भी हमारा हौसला टूटने वाला नहीं है। हमें तो गुजरात की परिस्थितियों और मुद्दों पर चुनाव लड़ना है। पिछली बार हमें ८२ सीटें मिली थीं, इस बार उससे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के गुजरात में दस्तक देने के बावजूद कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करेगी। पटेल ने कहा कि कांग्रेस को दो-तीन चेहरों को आगे रखकर गुजरात विधानसभा चुनाव में उतरना चाहिए। खोडलधाम के चेयरमैन नरेश पटेल समेत पाटीदार नेताओं पर आप की नजर सूरत महानगरपालिका के चुनाव में आम आदमी पार्टी को अच्छी सफलता मिली है। आप को अब गुजरात विधानसभा चुनाव में अवसर की झलक दिखाई देने लगी है। आप ने गुजरात में भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए पाटीदार नेताओं को अपने पक्ष में किया था।

स्व. डॉ. जोषियारा के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री ने दिवंगत को दी अंतिम विदाई

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भिलोड़ा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक डॉ. अनिल जोशियारा के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत को अंतिम विदाई दी। डॉ. अनिल जोशियारा का सोमवार को चेन्नई के अस्पताल में उपचार के दौरान दुःखद निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने मंगलवार सुबह भिलोड़ा पहुंचकर डॉ. जोशियारा के शोक संतप्त परिजनों से रूबरू मुलाकात की और उन्हें ढाढस बंधाया। मुख्यमंत्री के साथ आदिजाति विकास मंत्री नरेश पटेल, शिक्षा राज्य मंत्री और अरवल्ली जिला प्रभारी कुबेरडिंडोर, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुखराम राठवा तथा विधायकगण राजेन्द्रसिंह, पूंजा वंश, जशु पटेल, अश्विन कोटवाल सहित अन्य अग्रणियों ने भी दिवंगत के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

आप में शामिल होने के मामले में पाटीदार नेता की प्रतिक्रिया

मार्च महीने के अंत तक नरेश पटेल राजनीति में शामिल होने का निर्णय लेंगे

राजकोट, १५ मार्च।

पिछले कई दिनों में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी द्वारा राजनीति में शामिल होने के मामले में आमंत्रण देने पर पाटीदार नेता नरेश पटेल ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। आज मीडिया के साथ बात करते हुए नरेश पटेल ने कहा है कि जो भी राजनीतिक पार्टियों ने उनको निमंत्रण दिया है वह उनका आभार मानते हैं लेकिन हाल उनकी राजनीति में शामिल होने की गिनती नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस समाज के लोग उनको इस मामले में कहेंगे तो वह निश्चित राजनीति में शामिल होंगे। हालांकि खुद किसी पार्टी में कब शामिल होंगे यह मामले में योग्य समय पर जानकारी देंगे। नरेश पटेल ने कहा कि कांग्रेस और आप पहले भाजपा ने भी उनको पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। उन्होंने दिल्ली दौरा मामले में यह भी स्पष्टता की कि यह उनका व्यवसायिक दौरा था और इसका आयोजन अंतिम समय में हुआ था। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने कोई राजनीतिक मुलाकात नहीं किए जाने का दावा किया था। पाटीदारों पर हुए केस वापस लिए जाएंगे तो बाद में ही राजनीति में शामिल होंगे यह सवाल के जबाव में पटेल ने बताया है कि ऐसी कोई बात नहीं है लेकिन उन्होंने प्रत्येक समाज के लोगों के खिलाफ हुए केस वापस लेने की पेशकश की है और इस पर सरकार एक्शन भी ले रही है। मार्च के अंत तक में खुद राजनीति में जाना है कि नहीं इस मामले में स्पष्टता करेंगे यह कहने पर नरेश पटेल ने कहा है कि प्रत्येक समाज का कल्याण हो और अपना कहीं उपयोग हो तो निश्चित ही राजनीति में जाना चाहिए। राजनीति में जाना है कि नहीं यह मामले में फिलहाल विचार चल रहा है और समाज ने स्पष्ट भी यह मामले में कोई बात नहीं की है।

गुजरात में कांग्रेस विधायक जोशियारा का कोरोना से निधन

-प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी ने शोक जताया

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक डॉ. अनिल जोशियारा का कोविड-19 संक्रमण से निधन हो गया जिसके कारण राज्य विधानसभा की कार्यवाही सोमवार को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। जोशियारा 69 वर्ष के थे और अरवल्ली जिले की भिलोदा (सुरक्षित) सीट से पांच बार विधायक रहे थे। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, जोशियारा का सोमवार दोपहर में चेन्नई के एक अस्पताल में कोविड-19 से निधन हो गया।

अनिल जोशियारा के निधन के बाद रोकी गयी सदन की कार्यवाही

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जोशियारा के निधन पर शोक व्यक्त किया। विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान उप नेता प्रतिपक्ष शैलेश परमार ने जोशियारा के निधन की जानकारी दी, जिसके बाद सभी विधायकों ने श्रद्धांजलि के तौर पर कुछ मिनट का मौन रखा। इसके बाद अध्यक्ष निमाबेन आचार्य ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, 'भिलोदा सीट से विधायक अनिल जोशियारा के निधन पर दुख हुआ। उन्हें एक अच्छे लोक सेवक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। उनके परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं।' जोशियारा जनवरी में कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे और उन्हें फेफड़ों के उन्नत उपचार के लिए एक महीने पहले अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल से तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई स्थानांतरित किया गया था।

राहुल गांधी ने सोमवार रात को ट्वीट किया, 'डॉ अनिल जोशियारा के असामयिक निधन की खबर बेहद दुःखद है। वह लोकप्रिय आदिवासी नेता थे और कांग्रेस परिवार के मजबूत सदस्य थे। इस कठिन समय में मैं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।'

कौन है अमिल जोशियारा?

अनिलभाई जोशीयारा एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। वे भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में 1995 के गुजरात विधान सभा चुनाव में भिलोदा से गुजरात विधान सभा के लिए चुने गए। उन्होंने 1996 में गुजरात के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के रूप में शपथ ली।

जोशियारा एक सर्जन थे, जो पहली बार 1995 में भाजपा के टिकट पर भिलोदा सीट से विधायक चुने गए थे और उन्होंने 1996 से 1997 के बीच शंकरसिंह वाघेला के नेतृत्व वाली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्य किया था। बाद में, जब वाघेला ने 1998 में अपनी राष्ट्रीय जनता पार्टी का विलय कांग्रेस में कर दिया था, उसके बाद जोशियारा कांग्रेस में शामिल हो गए थे। तब से वह कांग्रेस के टिकट पर भिलोदा से जीत रहे थे।

वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाली 14 वीं विधान सभा के लिए गुजरात के अरावली जिले में भिलोदा निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा के सदस्य के रूप में सेवारत थे। 14 मार्च 2022 को 68 वर्ष की आयु में जोशीयारा का कोविड-19 से निधन हो गया।

गुजरात के 20 जिले और 3 महानगरों में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं

- 24 घंटों में 29 नए मरीज आए सामने, 61 ठीक होकर घर लौटे, कोई मौत नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना की तीसरी की लहर का असर धीरे धीरे हो रहा है। राज्य के 20 जिले और 3 महानगरों में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। पिछले 24 घंटों में राज्यभर में 29 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 61 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। राहत की बात है कि आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। दूसरी ओर आज राज्य में 90715 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 14 कोरोना के मामले दर्ज हुए हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 4, बनासकांठा और सूरत कॉर्पोरेशन में 2-2, आणंद, दाहोद, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, कच्छ, साबरकांठा, सूरत और सुरेन्द्रनगर में 1-1 समेत राज्य में कोरोना के कुल 29 मामले सामने आए हैं। जबकि अहमदाबाद, अमरेली, अरवल्ली, भरुच, भावनगर कॉर्पोरेशन, बोटाद, छोटाउदेपुर, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जामनगर कॉर्पोरेशन, जूनागढ़, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन, खेडा, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल पाटण, पोरबंदर, राजकोट, राजकोट कॉर्पोरेशन, तापी, वडोदरा और वलसाड में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। वहीं अहमदाबाद, अमरेली, अरवल्ली, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, खेडा, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, पंचमहल, पाटण, पोरबंदर, वडोदरा समेत 20 जिले और भावनगर, जूनागढ़ व भावनगर समेत तीन कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। राज्य में फिलहाल कोरोना के 472 एक्टिव मामलों में 466 स्टेबल हैं और 6 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में अब तक 1212250 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि 10939 नागरिकों की कोरोना से मौत हो चुकी है। दूसरी ओर राज्य में चल रहे टीकाकरण के तहत आज 90715 लोगों को वैक्सीन दी गई। जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 6894 को पहला और 39046 लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 17 वर्षीय 884 किशोरों को पहली और 29221 को दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 14670 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया। गुजरात में अब तक 10 करोड़ 41 लाख 20 हजार 838 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

गर्भवती बहन और बहनोई की हत्या के दोषी को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

अहमदाबाद (ईएमएस) यहां की जिला कोर्ट ने 2018 में गर्भवती बहन और बहनोई की हत्या के दोषी को फांसी का सजा सुनाई है। साथ ही रु. 10 लाख मृतक के माता-पिता और गवाह को रु. 50000 देने का आदेश दिया है। अहमदाबाद जिले के साणंद में हार्दिक चावडा की बहन तरूणा चावडा ने परिवार के खिलाफ जाकर लाला उर्फ विशाल नामक युवक से लव मैरिज की थी। इस रंजिश को लेकर हार्दिक अपनी बहन के घर पहुंच गया और 8 जितने वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के वक्त तरुणा चार महीने की गर्भवती थी। उस वक्त अपनी जान बचाने के लिए तरुणा का पति विशाल पड़ौस में रहनेवाली रंभाबेन नामक महिला के घर घुस गया। लेकिन हार्दिक ने विशाल का पीछा नहीं छोड़ा और रंभाबेन के घर में घुस गया। जहां विशाल पर तीक्ष्ण हथियार से 17 जितने वार कर उसकी भी हत्या कर दी। अहमदाबाद जिला कोर्ट के न्यायधीश जेए ठक्कर ने मामले को ऑनर किलिंग मानते हुए हार्दिक चावडा को सजा ए मौत का आदेश दिया है।

गुजरात में पिछले दो साल में २८३ शेरों और ३३३ तेंदुओं की मौत हुई

गुजरात राज्य से शेरों और तेंदुओं की मौत को लेकर अब चौंकाने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं

अहमदाबाद, १५ मार्च।

गुजरात में शेरों और तेंदुओं की मौत को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। पिछले दो साल में दुर्घटना में २९ और स्वाभाविक रूप से २५४ समेत २८३ शेरों की मौत हो गई। वहीं, दो साल में ३३३ तेंदुओं की भी मौत हुई है। स्वाभाविक रूप से १७५ वयस्क और ६८ बाल तेंदुए, जबकि दुर्घटना में ६७ वयस्क और २३ बाल तेंदुए की मौत हुई। गिर अभयारण्य में पिछले दो साल में १४ करोड़ की आय हुई है। वर्ष २०२१ में छूट मिलने के बाद ५ लाख पर्यटक अभयारण्य में घूमने आए। राज्य सरकार ने यह जानकारी विधानसभा में दी है। विधायक गोविंद पटेल ने विधानसभा में सवाल उठाया कि गिर अभयारण्य को कितनी आय हुई है। सरकार ने लिखित जबाव दिया कि कोरोना के केस कम होने और प्रतिबंधों में ढील मिलने के बाद सासन गिर अभयारण्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वर्ष २०२० में २ लाख, ४५ हजार ६५१ पर्यटक आए थे। वर्ष २०२१ में ५ लाख, ३ हजार, ९९० पर्यटक आए। दो साल में ७ लाख, ४९ हजार, ६४८ पर्यटक आए। दो साल में १ लाख, ३८ हजार, ७७७ पर्यटकों को परमिट जारी किया गया। वर्ष २०२० में ५ करोड़, ३१ लाख, २१ हजार की आय हुई है। वर्ष २०२१ में ९ करोड़, ४७ लाख, ८६ हजार, ६३३ रुपये की आय हुई। दो साल में १४ करोड़, ७९ लाख, ७ हजार, ६३३ रुपये की आय हुई है। विसावदर के विधायक हर्षद रिबड़िया ने प्रश्न पूछा था कि ३१ दिसंबर २०२१ की स्थिति के अनुसार लायन प्रोजेक्ट की घोषणा कब की गई। इसके तहत कितना अनुदान मिला है। सरकार ने लिखित में जबाव दिया कि सरकार ने लायन प्रोजेक्ट तैयार करके केंद्र सरकार को मंजूरी के लिए भेजी है। यह केंद्र में अनुमोदन प्रक्रिया में है। अन्य एक सवाल के जबाव में कहा कि गिर अभयारण्य और नेशनल पार्क में बिना पैरापेट के ४३७६ खुले कुएं हैं। इसमें गिरने से शेरों की मौत होती है। लाठी के विधायक विरजी ठुम्मर ने तेंदुओं की मौत का सवाल उठाया। सरकार ने स्वीकार किया कि दो साल में ३३३ तेंदुओं की मौत हुई है। इसमें २४२ वयस्क और ९१ बाल तेंदुए हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में 835 टाइम टेबल्ड पार्सल रेकों का परिचालन

- पार्सल ट्रेनों से 114 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा अत्यावश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को जारी रखने के लिए देश भर में गुड्स और पार्सल विशेष ट्रेनों का लगातार परिचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में पश्चिम रेलवे द्वारा अत्यावश्यक वस्तुओं को देश के विभिन्न भागों में पहुंचाने के लिए 1 अप्रैल, 2021 से 14 मार्च, 2022 तक 835 पार्सल ट्रेनें चलाई गई हैं। इस अवधि के दौरान इन मालगाड़ियों में 83.29 मिलियन टन लदान किया गया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 76.65 मिलियन टन लदान की तुलना में लगभग 9% अधिक है। इसके परिणामस्वरूप कुल 10,293 करोड़ रुपये से अधिक का माल राजस्व प्राप्त हुआ है। पश्चिम रेलवे की मंडल बिजनेस डेवलपमेंट यूनिटों ("ळे) की गहन मॉनिटरिंग के फलस्वरूप न केवल पार्सल यातायात में सुधार हुआ है बल्कि नए यातायात के रूप में बेहतर माल ढुलाई के अवसर भी प्राप्त हुए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में पश्चिम रेलवे ने प्रारंभिक राजस्व में 13,000 करोड़ रुपये के आँकड़े की एक बड़ी उपलब्धि को पार कर लिया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 1 अप्रैल, 2021 से 14 मार्च, 2022 तक पश्चिम रेलवे ने अपनी पार्सल विशेष ट्रेनों के माध्यम से 3.21 लाख टन से अधिक वजन वाली वस्तुओं का परिवहन किया है, जिनमें कृषि उत्पाद, दवाएं, चिकित्सा उपकरण, मछली, दूध आदि मुख्य रूप से शामिल हैं। इस परिवहन के माध्यम से लगभग 114.45 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया। पश्चिम रेलवे द्वारा 1.25 लाख टन से अधिक भार और वैगनों के 100% उपयोग के साथ 174 दुग्ध विशेष ट्रेनें चलाई गईं। इसी तरह अत्यावश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए 36,000 टन से अधिक भार वाली 176 कोविड-19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी चलाई गईं। इसके अलावा 1 लाख टन से अधिक माल परिवहन हेतु 298 इंडेंटेड रेक भी 100% उपयोग के साथ चलाए गए। किसानों को उनकी उपज के लिए नए बाजार खोजने में मदद करने तथा इसके किफायती और तेज परिवहन के लिए विभिन्न मंडलों से इस अवधि के दौरान 52,000 टन से अधिक भार वाली 187 किसान रेलें भी चलाई गई हैं।

पश्चिम रेलवे

केवड़िया स्टेशन पर वर्षा जल कटाई और मलजल उपचार संयंत्र उपलब्ध कराना

उप. मुख्य अभियंता (निर्माण) आई.पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा- 390 004, विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करता है नीचे दिया गया है: ई-निविदा संख्या:Dy.CE/CI/1/ बीआरसी/डीबी-सीडीडी-केईडब्ल्यू/42आर। कार्य का नाम: वर्षा जल संचयन प्रदान करना और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट सहित आईजीबीसी दिशानिर्देशों के साथ रखरखाव अवधि ग्रीन प्रमाणन प्राप्त करने के लिए दभोई के संबंध में